रजिस्द्री सं० डी-(डी)-78



He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नई विल्ली, शनिवार, जून 3, 1978 (ज्येष्ठ 13, 1900)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1978 (JYAISTHA 13, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--- जण्ड 1

PART III—SECTION 1

अन्य न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 धप्रैल 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रज्ञा० III(1)—इस कार्यालय की तबसंख्यक घिधसूचना दिनांक 10-4-78 के प्रनुक्रम में, संख लोक सेवा धायोम में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्वायी तहांक श्री बी० धार० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 15-4-78 ते 12-5-78 तक की घितिरक्त धाधि के लिए, प्रथवा श्रागामी जावेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के धनुभाग घिषकारी बेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

तं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० वी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 24-4-78 से 9-6-78 सक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेश तक, जो बी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रणा० III (3)—इस कार्यालय की ॣ्रॅसमसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 27-3-78 के प्रनुकम में, 1—96 GI/78

संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री श्रार० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 16-4-78 से 31-5-78 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रमुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (4)—हस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 27-3-78 के ग्रनुकम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ग्राई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 30-4-78 से 31-5-78 तक की श्रतिरिक्त ग्रवधि के लिए, ग्रथवा श्रागामी श्रावेशों तक, जो भी पहले हो, उकत श्रनुभाग श्रिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए निमुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (5)—संध लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नटराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 13-4-78 से 31-5-78 तक की प्रवधि के लिए, श्रथवा ग्रागामी भावेशों तक, जो भी

(3071)

पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं ए० 32014/1/78-प्रमा० III (6)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचन दिनांक 27-3-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री हार दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 16-4-78 से 3:-5 73 तक की श्रीतिरिक्त श्रवधि के लिए, अथवा श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापश्च रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (7)—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री श्रो० पी० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की ग्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

> प्रभात नाथ मुखर्जी ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 मई 1978
सं० एफ० 2/18/78-स्था० (सी० ग्रार० पी० एफ०)
(पर्स-2)—राष्ट्रपति, पुलिस उप ग्रधीक्षक, श्री एच० सी०
सूद को 7-7-77 से 10-1-78 तक जब कि वह श्राई० सी०
एफ० एस०, गृह मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर थे, सहायक
कमांडेंट के रैंक में प्रोफोर्मा पदोश्वति की स्वीकृति प्रदान करते
हैं।

उपर्युक्त पदोन्नति की सी० द्यार० पी० एफ० में पुलिस उप स्रधीक्षक की ग्रेडेशन सूची को स्रन्तिम रूप विए जाने पर समीक्षा की जा सकेगी।

> च० चक्रवर्ती निदेशक

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्नी-110001, दिनांक 16 मई, 1978

सं० भ्रो०-दो-1080/78-स्थापना—-राष्ट्रपति ने किनष्ठ चिकित्सा श्रिधिकारी श्रणोक कुमार जैन ग्रुप सैन्टर केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल बन्तालाब, जम्मू का त्यागपन्न दिनांक 8-2-78 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 17 मई 1978

सं० श्रो०-दो-116/71-स्थापना—श्री श्रो० पी० बाली, भारतीय पुलिस सेवा श्रधिकारी ने महाराष्ट्र राज्य में प्रस्था- वर्तन के फलस्वरूप 1 मई, 1978 के पूर्वाह्न से केन्द्रीयक्रिरिजर्व पुलिस बल के 40 बटालियन में कमाण्डेन्ट के पट का कार्य-भार छोड़ा।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंद्रालय श्राधिक कार्यविभाग बैंकनोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 21 श्रप्रैल 1978

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की प्रधि-सूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/75 दिनांक 14-9-76 के प्रमुक्तम में प्रतिनियुक्ति पर धाये श्री धार० के० मेहरोला, सहायक ग्रभियन्ता (विद्युत्) की नियुक्ति दिनांक 28-10-77 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष के लिए बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के ग्राधार पर निरन्तर की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की श्रिध-सूचना कमांक बी० एन० पी०/सी०/23/77 दिनांक 13-7-77 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर श्राये श्री एन० जी० किबे, लेखा श्रिधकारी की नियुक्ति दिनांक 1-2-78 से 24-3-78 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में मानक प्रतिनियुक्ति शर्ती के श्राधार पर निरन्तर की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की ग्रिधि-सूचनः क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/23/77 दिनांक 15-1-78 के ग्रनुकम में श्री एस० के० माथुर, उप-नियन्त्रण ग्रिधिकारी के पट पर तर्द्यं ग्राधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 19-4-78 (पूर्वाह्म) से 3 माह की ग्रवधि तक या पट के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो निरन्तर की जाती है।

दिनांक 10 मई 1978

नस्ती क्रमांक बी०एन०पी/सी/5/78—उस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/76/75 दिनांक 20-2-77 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर श्राये श्रीएन० एन० अग्रवाल, सहायक अभियन्ता (वातानुकूलन) की प्रतिनियुक्ति की श्रविधि दिनांक 23-12-77 से वर्तमान प्रतिनियुक्ति शर्तों के श्राधार पर एक वर्ष के लिए श्रीर बड़ाई जाती है।

नस्ती क्रमांक बी० ए.न० पी०/सी०/5/78—श्री बी० सम्पत गिरी, स्थाई कनिष्ठ पर्यवेक्षक (वातानुकूलन) को बैंक मुद्रणालय, देवास में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में स्था-पन्न सहायक प्रभियन्ता (वातानुकूलन) के पद पर दिनांक 2-5-1978 (पूर्वाह्न) से नियमित रूप से अन्य भ्रादेशों तक, पदोशन किया जाता है।

> पी०एस० शिवराम महाप्रवन्धक

सं० 608-सी०ए० 1/397-69— भारत सरकार, विस्त मंत्रालय द्वारा श्री एम० एल० मिलक लेखापरीक्षा ग्रधिकारी (वाणिज्यिक) का इन्स्ट्रूमेनटेशन लि० कोटा में तारीख 20-1-1977 से स्थायी रूप से खपाया जाना संस्वीकृत किये जाने पर, श्रपर उप-नियंतक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने सरकारी सेवा से उनका त्यांग पत्न उसी तारीख से स्वीकार कर लिया है।

सं० 609-सी०ए०-1/61-71—भारत सरकार, विक्त मंत्रालय द्वारा श्री टी० ग्रार० ग्राहूजा, लेखापरीक्षा श्रिष्ठकारी (धाणिज्यिक) को हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लि० में तारीख 8-6-1976 से स्थायी रूप से खपाया जाना संस्वीकृत किये जाने पर, श्रपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणियज्यक) ने सरकारी सेवा से उनका त्याग पन्न उसी तारीख से स्वीकार कर लिया है।

सं० 610-सी०ए०-1/373-69— श्रपर उप-नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एम० सुब्बाराव, प्रशासन श्रिधकारी (वाणिज्यिक) को मूल नियमावली 56-(ट) के उपबंध के श्रधीन तारीख 12-3-1978 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वैच्छापूर्वक सेवानिवृत्त होने की श्रनुमित दे बी है।

> सुशील देव संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार कार्यालय कर्नाटक बंगलौर, दिनांक 4 मई 1978

सं० स्था० 1/ए०4/78-79/81—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायों/स्थानापम प्रनुभाग प्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले प्रादेश जारी होने तक लेखा प्रधिकारी पद मे, उस पद का कार्यभार ग्रहण करते का विनांक से केवल प्रस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

- श्री बो० रस्तम्
- 2. श्री एम० ए० राजगोपालन्

एम०ए० सौन्दरराजन् वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेश्वर,दिनांक 4 अप्रैल 1978

गं० भ्रो० भ्रो० मी० 9—उस कार्यालय के स्थायी भ्रतुभाग भ्रधिकारी श्री डी० एन० विश्वास की तियुक्ति महालेखाकार, उडीसा द्वारा कार्यवाहक लेखात्रधिकारी के रूप में पूर्वाह्न दिनांक 3-4-78 में नये श्रादेश होने तक ६० 840-40-1000-द० श्रवरोध-40-1200 के वेतनमान पर की जाती है। उनकी पदोन्नति वरिष्ठों के दावे के प्रति बिना पक्षपात किए की जाती है।

> रा० श० शर्मा वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिरूवनन्तपुरम, दिनांक 12 मई 1978

सं० स्यापना /हक्तदारी/6/10-3/—महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिरूवनन्तपुरम के लेखा श्रधिकारी श्री पी० के० बालकृष्णन नायर श्रधिवर्षता प्राप्त होने के कारण 30 स्रप्रैल 1978 श्रपराह्न को सेवा निवृत्त हो गये।

भ्रार० के० ए० सुब्रह्मण्या, महालेखाकार

तिरूवनन्तपुरम, दिनांक 15 मई 1978

स० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड 11/46—नीचे बताये स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा श्रीर लेखापरीक्षा) को लेखा अधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेतु प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक नियुक्त करने के लिए महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं:—

- 1. श्री पी० गोविन्दन नायर 11-5-78 (पूर्वाह्न)
- श्री टी॰ राधाकृष्णन . 11-5-78 (पूर्वाह्न)
- श्री जी० महादेवन . 11-5-78 (पूर्वाह्न)

सं० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड II /46—महालेखाकार, केरल ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी सर्वश्री के० के० महबूब अली और के० के० रिवर्मन नंख्यार को जो वर्तमान में यथाक्रम केरल शिष्पिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, कोची और मुख्य इंजीनियर, पी० एच० ई० डी० का कार्यालय तिरूवनन्तपुरम में प्रतिनियुक्ति पर हैं, इस कार्यालय में लेखा अधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेतु ''श्रगले निचले नियम'' के श्रधीन 11-5-78 पूर्वाह्न से श्रगले आदेशों तक नियुक्त किया है।

एस० जयरामन उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

सं ए प्रशासन/130/75-78—निदेश लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं ब्रधानस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० पी० सिंह को लेखा परीक्षा ग्रधिकारी, रक्षा सेवाएं, कायलिय जालंधर में दिनांक 14/4/78 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा मधिकारी के रूप में, श्रगले श्रादेश तक, सहर्ष नियुक्स करते हैं।

> जी० दवारकानाथन वरिष्ठ उपनिदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दल्ली

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंक्षक, नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 मई 1978

सं 4771/प्रणा०-II — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के एक प्रधिकारी श्री सी पी० रामचन्द्रन को रक्षा लेखा महानियत्नक के रूप में दिनांक 1 मई, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

वी० एस० भीर रक्षा लेखा ग्रपर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, भ्रार्डनेन्स फ्रैक्टरियां डी० जी० भो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा, कलकत्ता, दिनोक 4 मई 1978

सं० 7/78/ए०/ई०-1--डी० जी० ग्रो० एफ० निम्न-लिखित स्थाई सहायकों को, सहायक स्टाफ ग्रफसर (समूह 'ख' राजपात्रत) के पद पर, स्थानापन्न रूप में, वरिष्ठता पर बिना प्रभावित हुए प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी ग्रादेश होने तक पदोन्नत करते हैं।

(1)	श्री	हीरेन्द्र	नाथ चौधरी—	3-4-1978
		_		• •	

(2) श्रीमती लक्ष्मी मेनन 3-4-1978

(3) श्री सनत कुमार सिन्हा 3-4-1978
 (4) श्री निरोद रज्जन राय 3-4-1978

सं० 8/76/ए०/ई०-1—-डी० जी० श्रो० एफ० निम्निसिखित स्थानापश्च सहायकों को, सहायक स्टाफ अफसर (समूह 'ख' राज-पित्रत) के पद पर, स्थानापश्च रूप में, विरिष्ठता पर बिना प्रभावित हुए, प्रत्येक के सामने दर्शाधी गई तारीखों से श्रागाभी श्रादेश होने तक पदोश्चत करते हैं:---

(1) श्री सुरेन्द्र नाथ बिश्वास 3≈4-1978

(2) श्री ग्रमल कृमार साहा 6-4-1978

सं० 9/78/ए०/ई०-1—डी० जी० घो० एफ० निम्नलिखित स्थायी स्टेनोग्राफर ग्रंड-II स्थानापन्न महायकों को सहायक स्टाफ ग्रंफसर (समूह 'खं राजपित्रत) के पद पर, स्थानापन्न रूप में, बरिष्टला पर बिना प्रभावित हुए, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से ग्रागामी ग्रादेश न होने तक पदोन्नत करते हैं:—

(1)	श्री सुधांगु बनर्जी	3-4-1978
(2)	श्री विश्वनाथ डे	3-4-1978
(3)	श्री निरन्जन गुहाराय	3-4-1978

दिनांक 6 मई 1978

सं० 10/78/ए०/ई०-1—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर, श्री सुधीर चन्द्र वास, स्थानापन्न ए० एस० ग्रो० मौलिक एवं स्थायी सहायक, विनांक 30-4-1978 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11/78/ए०/ई०-1—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री हीरेन्द्र नाथ चौधरी, स्थानापश्च ए० एस० श्रो० । मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 30-4-1978 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> ष्ठी० पी० चक्षवर्ती सहायक महानिदेशक I प्रशासन-II. कृते महानिदेशक, प्रार्वनैस फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 9 मई 1978

सं० 17/78/जी०--58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री श्रो० रंगो, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक स्टोर होल्डर) दिनाक 28-2-1978 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> बी० के० **मेह**ता, सहायक महानिदेशक, ग्रार्डनैंस फॅक्टरिया.

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 3 मई 1978 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/100/55-प्रशा० (राज०)/3275— राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बंबई में श्री के॰ जयरमण, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 4 जनवरी, 1978 के दोपहर पूर्व से अगल। आदेण होने तक उसी कार्यालय में स्थानापक्ष रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. यह इस कार्यालय की समसंख्यक दिनांक 2-3-1978 की ग्रिधिसुचना का भ्रिधित्रमण करता है।

का० वें० शोषाद्रि मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनांक 2 मर्ड 1978

सं० प्र०-6/76(4)/58/XV—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निस्नलिखित ग्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड-I) के स्थायी पव पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :---

क्रम रं०	नाम सर्वेश्री	वर्तमान पद	पद जिस पर स्थायी हुए	स्थायी होने की तारीख	ग्रभ्युक्तिया <u>ं</u>
1.	के० सी० दत्तगुप्त	निरीक्षण निदेशक (सेवा निवृत्त)	निरीक्षण निदेशक (भार निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के ग्रेष्ड-1)	21-11-73	21-11-72 ग्रपराह्न से सेका निवृत्त स्थामी निरीक्षण निवेशक श्री एम० ग्रार० पटेल के स्थान पर।
2.	एल∘ एम• राय	– बही–	—बही <i>-</i>	4-1-74	
3.	डी०टी० गुरसहानी *	– यही⊸	–वहीं–	11-7-74	25-6-73 से उप महा० निदेशक (निरीक्षण) के पद पर स्थायी घोषित स्थायी निदेशक श्रीपी० सी० कपूर के स्थान पर।
4.	जे ० एल० छावड़ा	निरीक्षण निदेशक उ० नि० मं डल , नई दिल्ली ।	निरीक्षण निवेशक (भार निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-1)।	12-7-74	8-7-73 (भ्रापराह्म) से सेवा निवृत्त स्थायी निदेशक श्री पी० के० चक्रवर्ती के स्थान पर।

कृते महानिदेशक, पृति तथा निपटान

श्राकाशवाणी महानिदेश।सय नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

सं० 2/5/68-एस० डो---महानिदेशक, **माकाशवाणी,** श्री पी० डी० माचारी, लेखाकार, माकाशवाणी, पणजी को 28-4-78 (पूर्वाक्स) से, भाकाशवाणी, पणजी मे, श्री एन० सुबमत्यन, प्रशा-सनिक ग्रधिकारी के स्थान पर, जो 28-4-78 से 1-7-78 तक 65 दिन के भवकाश पर है, प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, तदर्थ **प्राधार पर, स्थानापक्ष रूप में, नियुक्त करते है ।**

> सी० जी० श्रीनिचासन प्रशासन उपनिदेशक कुते महानिदेशक

कृषि एवं सिचाई मंझालय (ग्राम विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं ए०-19025/66/78-प्र० तु०-—श्री एम० पी० सिह, वरिष्ठ निरीक्षक को विषणन एवं निरीक्षण निर्देशालय, नई दिल्ली में विनांक 20-4-1978 (पूर्वाह्म) से तीन माह नी ग्रवधि के लिये श्रह्मकालीन आधार पर या जब तक फोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो स्थानापन्न सहामक विषणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

ए०-19025/78/78-प्र० तु०--श्री कृष्ण कूमार मिह सिरोही, वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय नई दिल्ली में दिनांक 20-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की श्रवधि के लियं भ्रष्टपकालीन श्राधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग-f I) नियक्त किया गया है।

विनांक 15 मई 1978

सं० फाईल -ए०-39013/1/78-प्र०-III---इस निदेशासय में सहायक विपणन अधिकारी श्री ती० जे० लुका द्वारा दिए गर त्यागपन्न को दिनाक 3-3-78 (अपराक्ष) से सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है

सं० फाईल -ए०-19023/33/78-प्र०-III---श्री एन**०** सी० हलदर विषणन ग्रिकिंगरी, को उनके द्वारा दिए गए त्यागपन्न की स्वीकृति के उपरान्त उन्हें स्वीकृत दिनांक 28-4-78 से 30-4-78 तक 3 दिन का अजित अवकाश ध्यतीत होने के पश्चात विनांक 30-4-78 के प्रपराक्ष से इस निदेशालय में उनके कार्बभार से उन्हें मुक्त समक्ता गयः है।

सं∘ ए०-19024/5/7९-प्र∘-III-—श्री वरिष्ट रसायनज्ञ, को दिनांक 18 अप्रैल 1978(पूर्वाह्न) मे क्षेत्रीय ऐगमार्क प्रयोगशाला, मद्रास में अल्पकालीन ग्राधार पर 6 माह की श्रवधि के लिए या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते है, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, स्थानापन्न रूप में मुख्य रसायनज्ञ नियुक्त किया गया है।

> त्री० पी० चावला, निदेशक, प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय स्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 मई 1978

संदर्भ : कम० नि० 41(2)/77-प्रशासन—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिमूचना दिनोंक 28 फरवरी, 1978 के तारतस्य में, निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, केन्द्रीय भंडार यूनिट ट्राम्बे में, निम्निविखित भंडारियों को अभिम समय 30 जून, 1978 अपराह्म तक, प्रभारी सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

- 1. श्री मिहिर चन्द्र राय
- 2. श्री मुलिटप्पुरथ राजू
- 3. श्री वसन्त यशवन्त गोखले

दिनांक 10 मई 1978

सं० क० म० नि०/2/1(1)/77-प्रशासन—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 जनवरी, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय श्रीर भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के मुख्य भंडारी, श्री वजीर चन्द को श्रियम समय 30 जून, 1978 तक, इसी निदेशालय में सहायक भंडार श्रिधकारी पद पर कार्य करने हैं।

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

वाया कोटा राजस्थान, दिनांक 15 मई 1978

सं० राप विप/भर्ती/9(20)/78/स्था०/460—-राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना इंजीनियर, परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यालय ग्रादेश संख्या 7/27/75-सी० सी० एस० दिनांक 18-8-1977 के श्रन्तर्गत, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र से राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में पदस्थापित किए जाने पर, स्थायी सहायक कार्मिक श्रिधकारी श्री वी० पी० नाइक को इस परियोजना में स्थानापन्न रूप से कनिष्ठ प्रशासन श्रीधकारी के ग्रेड (रु० 840-1200/-) में प्रशासन ग्रीधकारी-धि के पद पर, 24 प्रक्तूबर, 1977 (पूर्वाह्र) से श्रागामी श्रादेश होने तक के लिए, ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह, प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) <mark>हेतु मुख्</mark>य परियोजना इंजीनियर (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 12 मई 1978

सं० प० ख० प्र०/1/24/76-प्रशासन----निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एसद्द्वारा, श्री मुकुन्द सिंह, स्थायी सहायक को, परमाणु खनिज प्रभाग में, सदर्थ श्राधार पर सहायक कार्मिक श्रधिकारी के रूप में, पूर्वाह्न, 24 श्रप्रैल, 1978 से श्रगले श्रादेश तक, नियुक्त करते हैं।

एस० रंगानाथन, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 26 श्रप्रैल 1978

सं० 1/80/78-स्था०—िविकास व प्रशिक्षण प्रनुभाग, पुणे के स्थायी सहायक प्रभियंता, श्री डी० पी० राव का 4 मार्च, 1978 को देहावसान हो गया ।

> पु० म० दामले, महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाणुल्क समाहर्तालय नागपुर 440001, दिनांक 9 मई 1978

सं० 6/78—श्री सु० बनर्जी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-1, नागपुर की समाहर्ता के स्थापना श्रादेश क्रमांक 51/78, प० स० 11(3)1/गोप०/78, दिनांक 11-4-1978 के श्रनुसार स्थानांतर होने पर उन्होंने सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपुर के पद का कार्यभार, जो वे दिनांक 24-10-1977 से श्रस्थायी रूप से संभाल रहे थे, दिनांक 22-4-1978 के पूर्वाह्म से नियमित रूप से संभाल लिया।

2. श्री बी० एल० गांजापुरे, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग- Π , नागपुर श्रपने कार्यभार के श्रितिरिक्त सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग- Π , नागपुर का कार्यभार श्री सु० बनर्जी को श्रपने कार्यभार से मुक्त कर, दिनांक 20-4-1978 के श्रपराह्म से संभाल रहे हैं।

माधव परूलकर, समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली-1, दिनांक मई 1978

सं०-9/78—श्री एम० एल० गुप्ता ने, जो हाल में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय कानपुर में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के इलाहबाद स्थित, उत्तर प्रादेशिक यूनिट में, श्री एस० एन० तिवारी के सेवा निकृत्त होने के कारण रिक्त हुए पद पर दिनांक 10-4-78 के

(पूर्नेतिह) से निरीक्षण श्रधिकारी (सीमा णुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद क। कार्यभार संभाल लिया है।

> सु० वेंकटरामन, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय राजस्य नियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली-12, दिनांक 18 मई 1978

सं० 25/1978—श्री ए० एच० एम० शन्य, सहायक रसायन परीक्षक, राजकीय श्रफीम व शराब कारखाना, श्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर ने स्थातांतरण होने पर दिनांक 6-5-1978 (पू०) से उसी क्षमता से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 में कार्यभार संभाल लिया है।

केशव प्रसाद, उप-मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1978

सं० 33/12/73-ई० सी०-9---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री किबनदरा नाथ सैकिया की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतन मान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं।

 श्री सैकिया 6-4-78 पूर्वाङ्ग से दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

> कृष्ण कान्स, प्रशासन उप-निदेशक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय पाण्डू, दिनांक 11 मई 1978

सं० ई०-55-III-94-भाग-III(0)—-श्री एस० वैंकटारमन, सिविल इंजीनियरी विभाग के ग्रवर वेतनमान ग्रिधिकारी,

को दिनांक 1-1-78 मे प्रयर नेतनमान में स्थायी किया जाता है।

> म० रा० न० मूर्ति, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर ट्रीडेंट मार्केटिंग एण्ड एडवर-टाइजिंग प्रा० लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 6867/8596—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर ट्रीडेंट मार्केटिंग एण्ड एडवरटाइजिंग प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रौर हिमावरी फूड्स प्रा० लि० के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 6668/8598—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के ग्रवसान पर हिमावरी फूड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्स कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली प्ररूप भाई • टी • एम • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

निर्देश सं० ग्राई० सी०/एक्यू०/1/130/सितम्बर-11/ 77-78—ग्रतः मुझे, जे० एस० गिल,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसक संख्या 56, है तथा जो खन्ना मार्किट, लोदी रोड, नई टिल्ली-110003 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, 8-9-1977

1908 (1908 का 16) के श्रिक्षान ताराख, 8-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रितफल सं, ऐसे दृश्यमान श्रितफल का पन्त्रह श्रित्यात से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिये तय पाया गया श्रितिक्य, निम्निविश्वत अदेश्य के अन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इस व कि किया नहीं किया नया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व मे कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या घन्य भास्तियों को जिल्हें, भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाई भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा; या किया जाना चाहिए था, छिराने में मुक्तिया के लिये;

धतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में में, उनत अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के मधीन निम्निसिद्धित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री कोरा मल भालियारा कोरालाल पुत्र श्री हिँम्मत राय निवासी दुकान नं० 56, खन्ना मार्किट लोदी रोड नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रतन लाल शर्मा पुत्र स० श्री किशना राम शर्मा निवासी पुकान नं० 56 खन्ना मार्किट लोदी रोड नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घवधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओइस्साक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

एथक्टी करन :---इसमें प्रयुक्त सक्दों धीर पदों का, जो उकत धितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं भर्य होना, जो उस ध्रध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

एक गवरमैन्ट द्वारा बमाई गई दुकान को कि 28.7 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० 56, बाफा मार्किट खोदी रोड नई दिल्ली है।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 18 मई 1978

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•---

यामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
4/14 क, श्रासफब्रली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/मितम्बर/127/77-78/569—-ग्रतः मुझे, जे० एस० गिल ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ई०-129 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई जिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रथीन तारीख 5-9-1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (६) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबन उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

ग्रातः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मातृ:---

- श्री हेम चन्द्र पुत्र श्री सोहन लाल निवासी मकान नं 3104, मोहला दामान होज काजी, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगजीत राज विजपुत्र स०श्री विलोक सिंह तथा श्रीमती प्रोमिला विज पत्तनी श्री जगजीतराज विज निवासी 11/4, रजिन्टर नगर, नई टिल्ली (ग्रन्तरिती)

्रको यह सूचना जारी करके पूर्वाश्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक फहोल्ड एक मंजिला मकान जो कि 250 वर्ग गज के प्लाट पर बनी हुई है, जो नं० ई-129 ग्रेटर कैलाग्र-[1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : प्लाट न० ई-127 पश्चिम : प्लाट नं० ई-131

उत्तर : सर्विस लेन दक्षण : रोड

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली:1

तारीख : 18 मई 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 36/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त भाधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-चपए से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 7-1-48/2 है, जो स्रयीरपेट में स्थित है स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता कैरताबाद प्रधिकारी के कार्यालय, हैटराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्त्रह प्रतिशत से प्रिष्ठिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती ग्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी घन या अन्य भारित्यों, की, जिन्हें भारतीय पाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः अब, उस्त अधिनियम् की धारा 269-ग के असुनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपवारा (1) के बाबीन निम्नविधित व्यक्तियों, धर्मातृः—~

- श्री जगदीश चन्दर भारी मेनेजेर डनलाफ इंडिया लीमिटेड पबलीक गार्डन रास्ता हैद्राबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अराबीलु श्रपलाराउ मेनेजर, आई० टी० सी० बेनगनपली करनूल जिला (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री धनबनत घर नं० 7-1-48/2 स्रमीरपेट हैदाबाट (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रतिश्व को भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पद्यों का, जो 'उक्त अधिनियम', के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूधी

घर नं 7-1-48/2 राजासमकरनराहरचा स्रमीरपेट हैद्राबाद रजीस्ट्री दस्तविज नं 2201/77 उपरजीस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी` सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज, हैटराबाद

तारीख: 12-5-1978

प्रकप माई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन ≀ेंज, **हैदराबाद** हैदराबाद, दिनाक 12 मई 1978

निर्देश सं० ग्रार० ए० मी० न० 37/78-79—यत. मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रोर जिसकी सं० प्लाट सर्वे नं० 174 है, जो नैजामगुडा पनजागुटा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण से विणित हैं), रिजस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करताबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 29-9-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर सन्तरक
(प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बोच ऐसे
भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत
नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम, के मधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या घन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उनन ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन ध्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती त्री० वनजाकणी पती वी० नरसीम्मा रेड्डी ग्रदोनी करनुल-जिला (अन्तरक)
- 2. श्री के० लीनगारेडी पीता नरसीरेडी पसरा मुलग तालुक वरनगल जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी शाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

कुल जमीन वीर्स्तन 540.97 वर्ग यार्ड सर्वे तं० 174 नेजामगुडा पनजागुडा हैद्राबाट रजीस्ट्री टस्तावेज नं० 2373/77 उपरजीस्ट्रार करताबाट में।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज, हैटराबाट

तारीख: 12-5-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्णन रोंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक: 12 मई 1978

निर्वेश सं० ग्रार० ए० मी० नं ० 38/77-78---यतः मझे, के०एस० वेंकट रामन भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधितियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० 3-3-826, 827, 760, 761, 762 है, जो जेनरल बाजार में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण से वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकत्तो ग्रधिकारी के कार्यालय, सोकीन्द्राखाद में भारतोय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-9-77 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (म्रान्तरको) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न प्रनारम निखित में नास्तविक का से कथित

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधितयम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविद्या के लिए; और/या

नहीं किया गया है ---

(क) ऐसी हिमो प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए:

धतः बान, उत्तन प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपन अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1---

- 1. (1) श्री कैलासारमेणबाखु
- (2) मास्टर कैलामा नागराज 1724 गन्जबजार सीकन्द्राबाद (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री बीनरीम पीता ऋीमणा
 - (2) वी० सत्यानारायण न्यू बीडीगुडा, सीकन्द्रा**बाद** (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की जामील से 30 दिन की प्रविध
 ओ भी धविध बाद में समाप्त होती हो, कें
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

घर नं० 3-3-826, 3-3-827, 3-3-760, 3-3-761, भ्रौर 3-3-762 जेनरलबाजार सीकीन्द्राबाद दस्तावेज नं० 1506/77 उपरजीस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-5-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० श्रार० सी० नं० 39/78-79--यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन श्राम कर भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० भाप नं० 1 घर नं० 5-8-525 है, जो चारामली लेन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पुर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैटराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-9-77 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है भीर मुझे पह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बागार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है ग्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीयिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में क्सी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय शा किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा के लिए:

भत: ग्रन, उका श्रधिनियम, की धारा 269-ग बे अनुसरण में, में, उका श्रधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :---

- (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी जरादीश परशाद धर नं० 21-1-293 रीकाबगंज हैवराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मुमताज करन पतिन डा० एस० रूपकरन 3-5-812, "बजीरविला हैदरगुडा "हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, रिभीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के झड्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जा उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मलगी नं॰ 1 घर न० भाग न० 5-8-525 चीरागली लेन हैदराबाद 33:68 वर्ग यार्ड रिजस्टर्ड दस्तावेज नं० 2556/ 77 जाईट रजीस्ट्रार हैदराबाद में ।

> कें० एस० बेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर **पायुक्त (**निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैद्राबाद।

तारीख 12-5-1978 मोहर: प्ररूप भाई। टी० एन० एस०--

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-था(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 40/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० भाग 4-8-40/2 स्रोर 3 है, जो गौलीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 9-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देंने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसो किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या 'उक्त ग्रधिनियम' या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत:—

- 1. श्री कांडीगांटी रामचंदर घर नं० $4-2-7\frac{2}{3}$ रामकोटे हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2, श्री गंजी राजेशवर राउ 5-1-535 घासमन्डी सिकन्द्राबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इप म्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्यब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्तेन 363 वर्ग यार्ड घर का वीयारा नं० 4-8-40/2 श्रीर 3 रंगमहल रास्ता—म्गीलीगुडा हैदराबाद रिजस्ट्रो दस्तावेज नं० 2673/77 जांहट रजीस्ट्रार हैदराबाद में।

> के० एस० वेकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख 12-5-1978 मोहर: प्ररूप भाई०टी • एन० एस० —

आयकर **अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० श्रार० ए० सी० नं० 49/78-79--यतः मुझे के० एम० बेंकट रामन आयकर श्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० 11-1-965 है, जो सीतारामबाग मल्लेपल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1977 को पृथीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मुरूप से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है मौर मन्तरक भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कचित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य ध्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उकत श्रीधिनियम, या
धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) में प्रधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, मर्बात्:—

- (1) 1. श्रीमती सबीहा बेगम 2. बिलखोस इखबाल 3. सैयद फाजेल 4. ताय्याबा हाशम 5. सादिख श्राफीफ श्रीर 6. मोहसीता श्राकीफ सब 11-1-963 के निवासी हैं जो सीता-रामबाग हैदराबाद में स्थित है। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद जहागीर वल्द मोहम्मद हुसेन 14-1-310,सीतारामबाग हैदराबाद (श्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किये जा सर्केंगे:

स्पद्धीकरण :--इसर्वे प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पत्रों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिषाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं ० 11-1-965 जो सीताराम बाग, मल्लेपल्ली, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज संख्या 2282/77 जो रजिस्ट्री श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम अधिकारी स_{ी्यर} आयकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> स्रर्जन रेंज, हैवराबाद।

तारीख: 16 मई, 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 50/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन भायकर भ्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है और जिसकी सं० 3-5-335/4 सथा 5 है, जो नारायण-गुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सिसम्बर 1977

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)भीर मन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त विधि नियम, के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर्र श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269 ग के ग्रनुसरण में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थाहः—

- 1. (1) श्री शरन बिन य्सूफ श्रली (2) श्रीमत्ती मोहाँमैदी बेगम (3) श्रायेशा बेगम सभी श्रवयस्क हैं श्रीमती रबाब बेगम माता श्री छज्दा छज्दारा चिराग श्रली गली, हेदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2 श्री रमा बारणने पृर राम बाबू वारणने 2-2-647/ 182, सेट्रल एक्साईज कालौनी, नई नल्लाकुंटा हैदराबाद (श्रन्तरिती)
- (3) मेसर्स लिकर्स एंटरप्राईसेंस 3-5-335 नारायण-गुडा, हैदराबाद, (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग मे सभ्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≆न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लियें कार्मवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के शक्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मलगीयां नं० 3-5-335/4 व 5, जो विटलवाडी, नारायण-गुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज सं० 2628/77 रजिस्ट्रि श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में दर्ज है।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 16-5-78 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, संहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हेंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1978

सं० 51/78-79—यत: मुझे के० एस० वेंकट रामन, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० खुली जमीन प्लाट है, जो मासब ट्यांक, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खैरसाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरिक (प्रस्तरिकों) को अन्तरिती (प्रस्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रंथीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर भिधिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मद, उक्त मिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269क की उपधारा (1) के मधीन; निम्नलिखित स्पक्तियों अर्थात्ः—

- (1) डाक्टर श्रीमती फरजाना खुरेशी, मुस्तारनामादार श्रीमत्ती सईफा खुरेशी, ए-क्लास क्वार्टर नं० 445 ग्रागापूरा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्री सी० सत्यय्या पुत्र सी० ग्रस्थातम्मा 3-5-804/
 2/3, किंग काटी, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर प्रदों का, जो उक्त मिस-नियम के भध्याय 20क में परिमाधित हैं, वहीं भर्य होगा, को उस मध्याय में दिया गया है।

अमु सूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 599 वर्ग गज है जो मासब टयांक, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्ताबेज संख्या 2159/77 जो रजिस्ट्री के श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में दर्ज है।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज, हैवरााद

तारीख: 16-5-78

प्रारूप प्राई० टी• एन० एस•----

द्मायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 मई 1978

सं० 52/78-79---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मझम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु∙ से अधिक है

भीर जिसकी सं० 6-3-661 है, जो सोमाजीगूडा, खेरताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि 'यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भ्राय या किमी धन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त मधिनियम गी धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की बारा 269-व की उपक्रारा (1) के अधीन निम्नलिवित व्यक्तियों, मर्थात्:— श्री पी० वी० नरसिम्हाराव जो कोकीपारू, कृष्त्र जिला
 के निवासी है श्रीमती भार० बुच्चम्माई पत्मी श्रीरामलू नायड़ श्रोराकड, मद्रास-52 के निवासी है।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कोल्ली बस्मती पत्नी वेंकटेश्वर राष 6-3-661 सोमाजीगृडा, हैंदराबाद। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना आरी करते पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त धिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 662 वर्ग गज है घौर जिसका नं० 6-3-661 जो सोमाजीगूडा हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज संख्या 2244/77 जो रिजस्ट्री के कायिलय, खैरताबाद में दर्ज है।

> के० एस० बेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरोक्तण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाष, विनांक 17 मई 1978

सं० भार० ए० सी० सं० 53/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पण्नात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीत मधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कु से प्रधिक है

भोर जिसकी सं० 5-8-107 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता भ्रधिक.री के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 1908) का 16) के भ्रधीन

सितम्बर 1977 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
क कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिणत से अधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित मे
वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्तियों, प्रयात्ः--

- 1. श्री मीर झकबर सुल्तान बल्द स्वर्गीय मीर हुसैन सुल्तान, घर नं॰ 5-8-107, नामपल्ली रोड, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2ू श्री म्रली भाई वल्द विरजी घर न० 5-4-656 पुराना कटटॅल मण्डी, हैदराबाद (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाडोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण: --इसमं प्रयुक्त गब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अमुसूची

घर नं० 5-8-107 नामपत्ली रोज, हैदराबाद में स्थित है जिसका दस्तावेज सं० : 2664/77 जो रजिस्ट्री के कार्यालय हैदराबाद में दर्ज है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-5-1978

प्रकप माई० टी॰ एन॰ एस०-

धायकर प्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एस० एन० एम० | 39 | 77-78---श्रतः मुझे नत्यू राम

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 96 कानाल 7 मरलाज है सथा जो गांव : धर्मगढ़ छना, तासील, सुनाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबझ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुनाम, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय झाय-कर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या धन-कर अग्नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविता के लिए।

अतः धम उन्त ग्रिमिनयम, की धारा 269-य के मनुसरण नें, में, उन्त ग्रिमियम की धारा 269-च की उपशारा (1) के नशीन निक्तिसित व्यक्तियों अर्थोत्:—

- 1. श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री मेहरसिंह वासी गींच : घमंगड़ नाम तासील : सुनाम (ग्रन्तरक)
- 2. सर्व श्री (i) बलदेव सिंह (ii) सुखदेव सिंह (iii) छोटा सिंह (iv) नाम देव सिंह पुत्रान श्री साधूसिंह वासी गांव धर्मगङ छन्ना तासील सुनाम (अन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्मवाहियां करता है।

उक्त सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क
 किसी सन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्डीकरणः -- -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिवियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं बही गर्थ होगा जो उस ग्रब्थाय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 96 कानाल 7 मरला, ग्रौर जो गांव : धर्मगड़ छन्ना तसील : सुनाम, में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रकरता ग्रधिकारी के कार्यालय सुनाम के विलेख नं० 1787 सितम्बर, 1977 दर्ज है।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 मई 1978

मोहरः

प्रकप धाई० टी • एन • एस • —

भायकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनोक 15 मई 1978

निदेश सं० एस० एस० एस०/34/77-78---श्रतः मुझे नत्थु राम

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-६० मे भिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० स्वाध्या भ्राक्षम थी महिलो मंजिल है तथा जो कि टेलवर हाऊस शिमला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिकात से मधिक है और भन्तरक (शन्तरकों) भीर भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपवार। (1) के ग्रधीन निकासिकत व्यक्तियों, ग्रथीतु:—

- स्वामी प्राग्याना नन्द सरस्वती स्वाध्या भाश्रम निवासी टेलवर हाऊस एस्टेट, शिमला-¹ (श्रन्तरक)
- श्री शील चन्द्र पुत्र श्री नानक चन्द्र निवासी डो०-102,
 डिफैंन्स कलौनी, न्यू दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाओर; ---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन को श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शध्यों ग्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अपुसूची

स्वाध्या श्राश्रम की पहिली मंजिल जो कि टैलवर हाऊस शिमला-I में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी ग्रिमला के कार्यालय के विलेख नं० 544 सितम्बर 1977 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकार सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**च**: 15 मई 1978

मोहरः

प्रकप भाई• टी• एन• एस•----

आयक्र ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज, श्रायकर भवन, लुवियाना
लुवियाना, दिनांक 15 मई 1978

श्रीयंकर मोधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० स्वाध्या प्राश्रम का प्राऊंड फ्लोर है तथा को
टेलवर हाउस शिमला- में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध
प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा
प्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख प्रक्तूबर 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंदत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर धन्तरके (भन्तरकों) ग्रौर
अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय को बाबत उन्त मिमियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो भाय या किसो धन या प्रन्व भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिश्वनियम, या धन-कर भिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या भिष्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उनत प्रक्षितियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. स्वामी प्रान्या नंद सरस्वती स्वाध्या ग्राश्मम निवासी देलवर हाऊस एस्टेट, शिमला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नानक चन्द पुत्र चौधरी शिव सरल दास निवासी डी-102, डिफैंस कलोनी न्यू दिल्ली। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति स्नान्तरिति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के शब्दाय 20-क म परिभा-वित हैं, वही धर्ष होगा जो उस शब्दाय में दिया गया ह।

अमुख्यो

ग्राऊंड फ्लोर स्वाप्या ग्राश्रम की जो कि टेलवर हाउस शिमाल-I में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख नं० 549 श्रक्तूबर 1977 में लिखा गया)।

> नस्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मई, 1978

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०-----

अन्यकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/25/77-78— ग्रत: मुझे नत्थू राम आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० एक घर जिसका क्षेत्रफल 545 वर्ग गज है तथा जो मोती बाग, नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रम्तुबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त भिधितियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित अधिकत्यों, ग्रयीत।—

- 1. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री वर्लैती राम बासी नाभ⁷, जिला पटियाला। (ग्रन्तरफ)
- 2. सर्वे श्री (i) जसवंत रामे (ii) तेजवंत रामे (iii) भगवंत रामे पुत्र श्री बुध राम वासी नाभा जिला पटियाला । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वास्त सम्पत्ति क श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुस्ची

एक घर जिसका क्षेत्रफल 545 वर्ग गज है तथा जो मोतीबाग, नाभा जिला पटियाला 2 में स्थित है, जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी नाभा के विलेख नं० 1346, प्रक्तूबर, 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम स**क्ष**म प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधयाना

तारीख: 15-5-1978

प्रकप माई॰ टो॰ एन॰ एस०————— स्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/29/77-78----श्रतः भुझे नत्थू राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 विघा 5 विसवाज है तथा जो गान : बोलदी तासील नाभा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1977

- को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्त- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गावत उक्त श्रीक्ष-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, फ्रिपाने में मुनिधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त प्रधितियम की धारा 269-म के श्रमुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थानु:--

- 1. श्री मोहिन्द्र मिंह पुत्र श्री ग्रर्जन सिंह वासी : ग्रूव : दोलदी तासील नाभा। (श्रन्तरक)
- 2. मैसरज नाश मिलज, वासी गांव : दोलदी तासील नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उक्त ग्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 5 बिसवाज है तथा जो गांव दोलदी तासील नाभा में स्थित है।

जायवाद जैसा के रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नाभा के विलेख नं० 1577 नवम्बर 1977 में दर्ज है।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखा: 15 मई 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेण सं० एन० बी० ए०/30/77-78—अतः मुझे नत्थू राम श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गाव : दोलदी, तासील : नाभा में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तिक रूप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग में श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत् :— 4—96GI/78

- श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री ग्रर्जन सिंह वासी गांव : दोलदी, तासील : नाभा । (ग्रन्तरक)
- 2. मैसरज नाथ मिलज, वासी गांव : दोलदी, तासीस नाभा । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोह्स्ताकारी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गोव : दोलवी तासील नाभा में स्थित है !

जायेदाद जैसा के रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नाभा के विलेख नं० 1578, नवंबर, 1977 में वर्ज है!

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखाः 15 मई 1978।

प्रक्ष आई० टी० एम० एस०---

श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 ग (1) के ग्रिवीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एम० बी० ए०/31/77-78—-ग्रतः मुझ नत्यु राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 5 बिसवाज है तथा जो गाव दोलदी तासील : नाभा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनूसुची मे श्रौर पूर्ण रूप से बांणत है), राजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यलय, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से बांणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रयात :--

- 1. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री ग्ररजन सिंह वासी गांव : वैजिदो तासील; नाभा। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसरल नाश मिलज वांसी गांव दोलदी तासील, नाभा। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पक्षों का, जो उन्त ग्रधिनियम के शब्दाय 20क में परिभा-धित हैं, वही धर्य होगा जो उस शब्दाय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिषा 5 त्रिसवाज है तथा जो गाव : दोलवी, तासील नाभा में स्थिति है।

जायेदाद जैसा के राजिस्ट्रीकरता श्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख नं० 1626 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है :

> नस्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 मई1978 मोहर प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुयधयाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एम० बी० ए०/35/77-78—म्प्रतः मुझे नत्थु राम,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलवी तासील, नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रधकारी के कार्यलय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथिन नहीं किया गया है:--
 - (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उका श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
 - (छ) ऐसी किनो श्राय या किसो धन या अन्य श्रास्तियों को जिम्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाडिए या, छिपाने कितिए;

प्रत प्रत, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिबिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री मुखित्यार मिंह पुर्व श्री श्रर्जन सिंह वासी गांव दोलदी तासील : नाभ. (श्रन्तरक)
 - 2 मैंसरज नाथ मिलज बासी : दोलबी तासील : नाभा (अन्तरिती)

की पर् सूचना जारो करके र्गोता सम्पति के श्रर्जन के निए भार्यवाहिया करता हूं।

उक्य सम्पत्ति के ऋर्जन के सम्बन्ध में होई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभावित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुप्धी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 6 बसवाज है तथा जो गांव बोलदी तासील नाभा में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यलय नाभा के वलेख नं० 1627 दिसम्बर 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मई 1978

> भ्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० एन० बी० ए०/43/77-78—ग्रतः मुझे नत्थ राम,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 15 बिसवाज है तथा जो गांव : दोलदी तसील: नाभा, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यलय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है पौर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रकृति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रिम्न नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का :1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मुविधा के लिए,

प्रत: प्रज, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ज को उपधारा (1) के अधीन निक्तलिखित व्यक्तियों, प्रधीत् :---

- 1. (i) सर्व श्री सज्जन सिंह पुत्र श्रीमती नंद कौर (11) पुरिदयाल सिंह (iii) बन्धन सिंह पुत्र बसंता सिंह ग्रौर ठाकुर सिंह वासी गाव दोलदी तासील : नाभा (श्रन्तरक)
- 2' सर्व श्री (i) तंलू राम पुत्र श्री कपूरी मल्ल (ii) विहारी लाल (iii) लाल चंद पुत्र श्री तेलू राम (ग्रन्तरिती) वासी दोलदी तासील : नाभा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 किया 15 कियाज है तथा जो मलेरकोटला रोड, गांव : दोलदी तासील नाभा में स्थित है।

जायेदादर जैसा के रजिस्ट्रीकरता ग्राधकारी नाभा के विलेख नं 1919 तारीख जनवरी, 1978 में दर्ज है।

> नत्थू राम स**क्षम भ्रधिकारी** स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज' लुधियाना

तारीख 15 मई 1978 मोहर: प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (19**61 का 43**) की धारा 269-**ष** (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, ग्रायकर भवन, लुघियाना लुधियाना, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०/34/77-78—श्रतः मुझे नत्थू राम,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन का क्षेत्रफल 15 बीधा 3 बिस्वा है तथा जो कि गांव दुलदी, तहसील नाभा जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथि। नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबन, उसन प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐनो किनो पाप पा िन पा प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिती द्वारा प्रत्यतिहीं किया गया था या किया जाना काहियेथा खिसारे रें प्रविधा के लिए;

अतः ग्रंब उक्त अधितियः की धारा 269-ग के भनुतरण में, मैं उक्त पिधतियम की धारा 263-घ की उपधारा (1) के स्रघोत निम्नलिखित व्यक्तियों स्रपीत्:——

- सर्व श्री 1. दर्शन सिंह 2. टाकुर सिंह पुत्र बलबीर सिंह निवाबी गांव बुलदी, तहसील नाभा, जिला पटियाला (भ्रन्तरक)
 - 2. सर्व श्री
 - राम गोपाल, पुत्र बाबू राम निवासी पटियाला
 - 2. सूरज भान पुत्र राम गोपाल निवासी पटियाला
 - 3. कमला देवी पत्नी श्याम लाल निवासी नाभा
 - 4. चन्दर कांता पत्नी जसवन्त राय निवासी नाभा
 - 5. बिसला रानी पत्नी स्रोंम प्रकाश निवासी नाभ
 - 6. सन्तोसू कुमारी पुत्र शाम लाल निवासी नाभा
 - राजेश कुमार पुत्र शाम लाल निवासी नाभा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही प्रवंहीगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 15 बीघा 3 बिस्त्रा, खेवत नं० 134 प्रिफ खतौनी नः 256, खसरा नं० 399 (2-18), 1670/400 (3-15), 401 (7-10) जो कि गांव दुलदी तहसील नाभा जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी नाभा के के कार्यालय के विलेख नं० 1601 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियान

तारीख 15 मई 1978 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 मई 1978

निर्वेश सं० प्र० ६० 2/2511-7/सितम्बर 77—श्रतः मुझे जी० ए० जेम्स्,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

ग्रोर जिसकी संव नंव 21 हिव नंव 2 (ग्रंश) प्लाट्येनंव 20-21 का प्राइवेट टीव पीव एसव में स्थित है) ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विलेपार्ले (पूर्व) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी साय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कृमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; धीर/बा
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम को धारा 269-ग के धृतु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन सिम्तलिखित व्यक्तियों. श्रवीतः—

- 1. श्री मंजुलाबेन चिमनलाल शेठ श्रीर चिमनलाल प्रभुदास शेठ (श्रन्तरक)
 - 2. म्रोम चन्द्र मिलन को० भ्राप० हाउ० सो० लि० (भ्रन्तरिती)
- 3. 1. हरशद जगन्नाथ मनियार, 2. दिवालीवेन राजमल शाह 3. उत्तमचन्द्र छगनलाल मेहता 4. इश्वर चुनिलाल पटेल 5. आशा टी० पेटवार 6. मंजुलाबेन चिमनलाल सेठ 7. हं सायशवन्त संघवी 8. भगवानदास विश्वनाथ गुप्ता 9. प्रानलाल हंसुखलाल पारिख 10. हंसा प्रानलाल पारिख 11. प्रवीन पोपटलाल शाह 12. जयागुरी वल्लभदास सिमरिया 13. प्रवीनचन्द बाबूलाल शाह 14. कांताबेन नगिनदास शाह 15. महेश प्रमृतलाल दोशी 16. कोटेक्स प्रा० लि० 17. यूनिवर्सल टेक्स-टाइल प्रा० लि० 18. दीपक तुलसीवास 19. अजीत तुलसी-

दास 20. तुलसीदास कानजी 21. श्रह्णाबेन रमेश र्मणाह 22. लिलिबेन रिखबदाम गाह 23 किकाभाई विठलदास गाह 24. श्रीमती माधुरी किकाभाई गाह 25. श्रीमती पुष्पावती हिमतलाल गाह 26. गिरधुरलाल केणवदेव सुरेखा 27: श्रीमत्ती कमला गिरधरलाल सुरेखा 28 ग्रमरिशभाई एम० देसाई 29. दुलेराय एम० मुलानी 30. लक्ष्मीप्रसाद कालीदास 31. नटवरलाल मगनलाल 32, नेमीबेन मोतीचन्द झबेरी 33. मेसर्स, श्रमृतलाल एंड कं० (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति हैं)

4. मेसर्स, श्रमृतलाल एंड कंपनी, श्री श्रमृतलाल जादवजी संघवी, श्री मोहनलाल जादवजी संघवी, श्री गंगादास जादवजी संघवी, श्री गंगादास जादवजी संघवी, श्रीमती कुसुमबेन मनुभाई संघवी, श्रीमती स्मिता श्रमृतलाल जादवजी संघवी, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रवि-नियम के भड़याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का यह तमाम टुकड़ा या भाग उस रजिस्ट्री उप-जिला बंबई पर खड़ी बिल्डिंग सहित, जो नगर व बंबई उप नगर में महात्मागांधी रोड, बिलेपार्ले (पूर्व) में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 2560 (दो हजार पीच सौ साठ) वर्ग गंज या 2150 (दो हजार एक सौ पचास वर्ग मीटर) के बराबर या उसके ग्रासपास है, ग्रीर जिसका सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 2 (भाग) व प्लाट नं० 20-21, "पराजपे स्कीम " नाम की एक निजी टाउन प्लानिंग स्कीम का है श्रौर (क) इस प्रकार घिरा हुन्ना है, कि उत्तर में उसी स्कीम की प्लॉट नं० 22, सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 1 वाली जमीन दक्षिण में उसी स्कीम की सर्वे नं० 20-ए, हिस्सा नं० 1 व कृषि इतर सर्वे नं० 20-डी, क्रमशः प्लाँट नं० 12-ए-व 12-12-बी, वाली जमीन पूर्व में उसी स्कीम की 24 फींट चौड़ा सड़क, ग्रौर पश्चिम में उसी स्कीम की 16 फीट चौडी सड़क है, ग्रीर यह परिसर ''कलाक़्ज़ंज'' के नाम से जाना जाता है तथा बार्ड नं 1380 व 1381, स्ट्रीट नं 42 व 43 महात्मा-गांधी रोड, के श्रधीन निर्धारित (श्रसेस) होता है।

> जी० ए० जेम्स् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख 16 मई 1978 मोहर: प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हुबली हुबली धरवार-4, दिनांक 12 मई 1978

निर्देश सं० 215/78-79/एम्बी---यतः मुझे डि० सि० राजगोपालन

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी सं० एम० न० 2751 श्रीर 2752, है, जो रतनागिरि रोड, बसतनहल्ली, चिकसंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर डाकमेंट नं० 1015 दिनांक 2-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बादत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिक्षनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात्:—

- 1. श्री डा० वि० डा० पंन्टो पुत्र बि० पंन्टों, रतनागिरि रोड़ चिकमंगलूर (ध्रन्तरक)
- 2. श्री डा० जे०पी० क्विसने गौडा पुत्र श्री जे० पुट्टरवामी गौडा जीलधाल (पोस्ट) चिक्कमंगलूर (तालूक) (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंत क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भर्थ होगा, जो उम भ्रध्याय में दिया गया है।

अ**मुसूची**

ग्रार० सि० सि० संखान ग्रौर खुला मैदान जो बखनहरूली डाक्सटेन्शन बिकधंगलूर, प्रविष्ट सं० 2751 ग्रौर 2752 में स्थित है।

> डि० सि० राजागोपालन स**क्तम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज धारवाड

तारीख: 12 मई 1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-**घ** (1) के प्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **धायुक्त**, (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० ए० पी० 1780, — यतः मुझे बी० एस० दाहिया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र • से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनूसूचि में है जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशंत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक क्ष्य से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत उक्त मिस-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिकित स्पक्तिकों प्रचीत् :——

- 1- श्री भ्रोम प्रकाश पुत्र श्री गिरधारी लाल, 4 %-3-भार०, माडल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुरज प्रकाश तथा चांद प्रकाश पुत श्री हंस राज वावरा, 473 ग्रार॰, माङल टाऊन जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है (यह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोह्स्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हं।

उम्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारी आप से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रव्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 3789 सितम्बर, 77 को रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है

> बी० एसं० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** 15 मई 1978 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ण (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1781—-यतः मुझे बी० एस० दाहिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूचित है जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंघर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षत भ्रिष्ठिनियम, के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त भ्रधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः →- 5—96GI/78

- 1. श्रीमत्ती संत कौर पत्नि श्री प्रेम सिंह 516-एल०, माडल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री सरदार सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह, 270-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति जिसे ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्बति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानात है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त, ग्रिधिनयम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 5131 नवम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

> बी० एस० दाहिया ुसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-5-1978 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1782—यतः मुझं बी० एस० दाहिया आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो न्यू क्लोनी, माडल टाऊन जालन्घर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बार्जार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और मन्तरक (धन्तरकों) धौर मन्तरिती (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के स्रधीन कर देने के श्वन्तरक के दायित्व में कमो करते या उससे बजने में मुविधा के लिए भौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी अत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया चाहिए या, छिपाने में भृतिश्रो के तिए;

भतः भनः उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:—

- श्री साधु सिंह, पुंत श्री लाभ सिंह गाँव तथा पोस्ट श्राफिस करयान, तहसील नवांशहर जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह ए० डी० ए० मार्फत डी० ग्रा० जी० सी० ग्राई०सी० चंडीगड़ (ग्रान्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में धिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्स्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

हपडटीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रक्याय में दिया एया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 4710 श्रक्तूबर 77 को राजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गमा है

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, पहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 15 मई 1978

निदेश नं० ए० पी० 1783—यतः मुझे बी० एस० वाहिया

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मृत्य 25,000/- रु० मे प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूचि में है है तथा जो माडल टाउन, जालान्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिक्त है और अन्तरक (अन्तरिक्तों) को बीच ऐसे श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्नरण लिखित में वास्तविक रूप से श्रिवत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरग में हुई िकमो अत्य की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधोन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मुबिधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) एंसी किसी स्नाप पा किसी धन या सन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्नापकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उना स्नधिनियम, या धन-कर स्नधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती हारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त यधिनियम की धारा 269-य की सपधारा (1) के श्रधीन निम्तिनिलत स्थानित्यों, अर्थात् :~-

- 1. श्रीमत्ती बीज पाल कौर पत्नी श्री हरिकरत सिंह, एम०, जी० डी० पाब्लिक स्कूल, जयपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मंगल सैन कुमार पुत्र श्री लखमी दास, 6 नर्सेरी, माडल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिचरखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हू।

उन्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्रवित्यों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पश्चों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 4214 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15 मई 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—— भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 मई 1978

निदेश स० ए० पी०-1784--यत मुझे बी० एस० दाहिया, ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खंके भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका वाजार मृल्य 25,000/- ६० से मधिन है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूचि में है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वांगत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्न अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 श्री खजान चन्द भल्ला पुत्र श्री ज्ञान चन्द भार्फत बावा फिलिंग स्टेशन, टांडा उरमर जिला होशियारपुर (अन्तरक)
- 2 श्री विनोद कुमार भल्ला पुत्र श्री तीर्थ रा भल्ला, 371-लाजपत नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्पर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके प्रभिभोग समें सम्पत्ति है)
- अं जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पित्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विल्डिंग जैसा कि विलेख नं० 3886 सितम्बर 77 को रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है

बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० भी० 1785—यतः मुझे बी० एस० दाहियाः

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुभूची में है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में हियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बाणत है), रजिस्ट्रीकर्क्त अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख तिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक अन्तरकों लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या घन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपघारा (1) के अज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थौत :——

- 1 श्री खजान चन्द भल्ला पुत्र श्री ज्ञान चन्द मार्फत बाबा फिलींग स्टेशन. टांडा उरमर, जिला होशियारपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमत्ती श्राशा रानी भल्ला पितनी श्री तीर्थ राम भल्ला, 371 लाजपत नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति ।जसके श्रिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पव्होकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जैसा कि विलेख नं० 3891 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज जालन्धर

तारीख 15 मई 1978 मोहर: प्ररूप धाई०टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1786—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो यक हुसैना लामा पिंड, जालन्धर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबझ भ्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियां को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिष्टा के लिए।

श्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1 श्री भगतु 2. गुरबचन सिंह पुत्र श्री रहलारे पुत्र श्री देवीचन्द, निवासी चक हुसैना-लामा पिंड, जालन्धर (अन्तरक)
- 2. श्री शिव इन्द्र, चरण सिंह तुड़ पुत्न श्री बाल चरन सिंह, 103-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां, करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उना श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रवं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 3963 सितम्बर-77 की रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1787—यतः मुझे बी० <mark>एस०</mark> दहिमा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बहराम सरीशटा, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखन निस्तिव अस्प से अधिक है भीर कार्या प्रतिफल का पन्द्रह

- (क) प्रस्तरण मं हुई किसी माथ का बाबत उक्त प्रधि-नियम के घंधीन कर देने के प्रस्तरक क प्रपित्व में कभी करने या उसमें बंचन में सुविद्या के लिये: धीर/या
- (ख) ऐसी किसी वाथ या किसी धन वा अन्य धास्तिकों भी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिसी द्वारा पकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रव, उन्त श्रिष्ठिनियमं की धारा 269-मं के प्रनुसरण में, में, उन्त श्रिष्ठिनयमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वात्:---

- ा. श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह
- 2. गुरदव सिह (3) जोगिन्द्र सिह, गाव बहराम सर्गणटा तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगत सिंह पुत्र श्री लाम सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह गाय, बहराम सरीशटा, तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि अपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पति में किच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूनना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

न्यव्होकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उम श्रध्याय में दिया मया है।

अनु सूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 3816 सितम्बर 77 को रजिस्टीकर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1788—यतः मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/-र० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव साईपुर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वाणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्थालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितस्बर 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को एमें इश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिध-नियम के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चिह्हिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भन्न, उक्त मधिनियम की धारा 269ना के मनु-सरक में मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री सत प्रकाश पुत्र श्री पाला राम ग्रंटारनी क्राफ श्रीमती लिला भारज पाल श्री सत प्रकाश 25, सक्दर बाजार, जालन्धर छावनी (श्रन्तरक)
- 2. मैं o ठाकर इंजिनियारंग वर्कस एम०-5, इन्डस्ट्री एरीया, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पात में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के मध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 3973 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम अधिकारी सहायक धायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रॅज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1789—स्यतः मुझे बी० एस० वहिसा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनूसूचि में है तथा जो बस्ती नौ, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत राक्त अखिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रश्य मास्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. मैं० गुरु नानक पिंबलक वैल्फेयर ट्रस्ट मिलाप भौक, जाम्लधर (द्वारा श्री श्रवक्श सिंह ग्रडवोकेट) (श्रन्तरक)
 - 2. मैं ग्रमृत सपोर्टस 66, बस्ती नो, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में दिन रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ा किसी धन्य अयक्ति द्वारा, धाधोहक्ताक्षरी के पास सिकात में किए जा सकेंगे।

स्पाका किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धाधिनियम, के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं बही धर्म होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3809 सितम्बर-77 को राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यातव महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 15 मई 1978

निवेश सं० ए० पी० 1790-यतः मुझे बी० एस० षहिया,

मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा, जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रवि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रचीत्:---

- 1. श्री रघवीर सिंह ग्रोहरी पुत्र श्री नया मिह, 542 माडल टाऊन जालन्धर (जी० ए० ग्राफ श्रीमित ग्रतर कौर पत्नि श्री नया सिंह। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री धमं बीर पुत्र श्री शंकर दास फस्ट फलौर मार्किट, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3966 सितम्बर 77 को रजिस्टीकर्त्ता भ्रधिकारी जःखन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखाः 15 मई 1978

प्रकप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1791--यतः मझे, बी० एस० दहिया, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में है तथा जो नजवीक नरीन्द्र सिनेमा (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त मिन्नियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिन्नियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, भिम्निसिखत व्यक्तियों सर्थात्।~~

- 1. श्री राम सिंह पुत्र श्री नया सिंह भाफ कोट बहा खान, जालन्धर ग्रब गाव शबडाबा तहसील बिलासपुर, जिला रामपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री धर्मेशीर पुत्र श्री शंकर दास फस्ट फलौर मार्किट, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (ध्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह घ्यक्ति, जिनके बारे में ध्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्थ व्यक्ति द्वारा धाधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घिष-नियम के घट्याय 20-क में परिमाषित हैं वहीं धर्म होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4001 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-5-1978

प्रकप बाई • टी • एम • एस • →

श्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1792—यत मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा (जालन्धर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1977 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्ममान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण बिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर हैने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मय, उक्त मिसिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त बिसिनियम की घारा 269-थ की उपबारा (1) के मजीन; निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्चात् :---

- श्री महीन्द्र सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह कोट बहादुर खर्रैन ग्रम गांव वाबदावा, तहसील विलासपुर जिला रामपुर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री धर्मसीर पुत्र श्री शंकर दास फस्ट फलौर, मार्किट जवाहर नगर, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्तालरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख मं० 4002 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्त्सा श्रधिकारी जालन्धर में है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

वारीब : 15-5-1978

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1793—यतः मुझे बी० एस० दहिया धायकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक नरीन्द्र सिनेमा, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कथालय जालन्धर में रियत है (ग्रीर इसमे 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिला धान्तिन की गर्व है धीर महो गर्व

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मता, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री रघवीर सिंह ग्रोहरी पुत्र श्री नया सिंह 542 माडल टाऊन, जालन्धर (जी० ए० ग्राफ श्रीमित ग्रत्तर कौर विधवा श्री नया सिंह। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरीन्द्र रानी परिन श्री धर्मवीर फसट फलौर मार्किट, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3 जैशा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी श्र्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4033 सितम्बर 77 को रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक^र श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जालन्स र

तारीख 15-5-1978 मोहरः प्रारूप भाई० टी० एन० एस०→

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1794—यतः मुझे, बी० एस० दहिया धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो गांव हजारा जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे 'उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृ प्रतिशत से प्रधिक है और प्रश्तरक (प्रश्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखन में वास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्न प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसर्थ में, मैं, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्।——

1. श्री मैहंगा सिंह पुत्र श्री गुरवास सिंह गांव क्रिजारा तहसील जालन्धर (जी० ए० ग्राफ० श्री बतन सिंह, ग्रलास श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री बेला सिंह, गांव हजारा)

(भ्रन्तरिक)

- 2. श्री प्रजीत सिंह पुत्न श्री गुरीन्दर सिंह पुत्र श्री सुखाचैन सिंह, गांव इकयोहा, अब 676—माडल टाऊन, जालन्धर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रश्चित्यम के प्रध्याय 20 कर्मे परिभाषित है, वही पर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसां कि विलेख नं० 5345 दिसम्बर, 1977 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी जालन्थर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 15-5-1978। प्रणीन रेंज, जालन्धर

प्रस्प धाई • टी • एन • एस •-

धायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1795—यतः मुझे, बी० एस० क्षिया

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ह्मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सैन्ट्रल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कर 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिद्धित व्यक्तियों, अर्थात् :-~

- 1. श्रीमत्ती कृष्ण चन्द्र मालही पुत्र श्री आहमा सिंह, 70/8, सैन्ट्रस टाऊन, जालन्धर (ध्रन्तरक)
- 2. श्री बलदेव मित्तर गोयल पुत्र श्री साधु राम 54/8, बी, सैन्ट्रल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६ चि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिलबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों घोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिमाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 3754 सितम्बर 77 दो रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्रारूप भाई० टी॰ एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1796—यत: मुझे, बी० एस० दहिया धायकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के घधीन सझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- ६० से घधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि स्रनृस्ची में है तथा जो वियास पिंड जालन्धर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्वत्वर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिये तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाव की वावत उक्त विकित्यम के भाषीन कर वेने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

पतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् म्— श्री महिन्द्र सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह जी० ए अश्रीफ श्री बखशीश सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह, गांव वियास पिंड, तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री इंकबाल सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह गांव बियास पिड, तहसील जालन्धर .(ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके भ्राधिभोयग में सम्पत्ति है)
- 4. जो अ्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की ग्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त शिक्षियम के श्रष्टयाय 20-क में येषा-परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 4676 श्रक्तूबर 77 को रिजस्ट्री-कत्ति श्रिष्ठिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1797—यतः मुझे, बी० एस० दहिया आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

श्रौर जिस की सं० जैमा कि श्रनुसूचि में तथा जो बियास पिंड, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तुबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक
(प्रस्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिम्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या घन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री बखणीण सिंह जी० ए० ग्राफ श्री बखणीण सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह गांव बियास पिंड, जालन्धर (ग्रन्सरक)
- 2. श्री हर भजन सिंह पृत्र श्री बखणीण सिंह गांव वियास पिंड, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि अपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभौग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)

को परु सूत्रना जारो करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गभा है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 4677 प्रक्तूबर 1977 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978 मोहर प्ररूप स्राई०टी०एन०एम०⊸⊸--

न्नायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1798---यतः, मुझे, बी० एस०

दिहिया प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है सथा जो बस्ती: भूरे खान, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से बुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत् :---

- श्री साध् राम पुत्र श्री किशोरी लाल मालसीया तहसील नकोदर, जिला जालन्धर (श्रक्कतरक)
- 2. मैं० गुरु राम दास रबड़ इन्डस्ट्रीज प्रीत नगर, बस्ती भ्रे खान, जालन्धर (श्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (व ध्यक्ति. जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह पूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : —

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 3684 सितम्बर 77 की रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

> बी० एस० दाहिया स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायभ श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रज्न रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1799—यतः मुझे, बी० एम० दाहिया,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

क्रौर जिसकी स० जैसा कि क्रनुसूची में है नगर, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में जिस्ट्रीनरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के भन्तरित की गई है दुश्यमान प्रतिफल के लिए मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भधिक गोर भ्रन्त रक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निमिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी श्राय को बाबन, उकन अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर/या
- (ख) ऐसो किसी ब्राप या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम उक्त भ्रधिनियम की धारा 289-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्ः—

- 1. डाक्टरगुरबक्श सिंह नायर 124-एल०, माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)
- 2. मैं० दिल्ली पजाब गुडस कैरियर जी० टी० रोड, जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपरन० 2 में (व) व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
- 4. जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बाद में श्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पित में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पचि के भर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्यत्ति के अर्जन के संबंध में फोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्नटी जैसा कि विलेख नं० 4271 सितम्बर 77 को रिजस्ट्रीकर्त्तो श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख। 15 मई 1978 मोहर: प्ररूप भाई । टी । एन । एस । --

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1800--यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में है जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्राधिक्यम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उखरे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (च) ऐसी निसी माय या निसी मन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारताय भाय-कर मिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिमियम, या मन-कर भाष्ट्रनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

भतः अब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपद्वारा (1) के ब्रह्मीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, ग्रवीत्:---

- 1. श्रीमत्ती भागवन्ती पत्नि श्री बीर सिंह 76-एल०, माडल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सलोचना कल्हन पुत्र श्री तुलसी राम कल्हन 2. श्रमित सीता शर्मा पित्न श्री पृथ्वी राज शर्मा 76-ग्रार माडल टाऊन, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिनके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
- 4. जो व्यक्ति स ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीम-नियम के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस शब्दाय में दिया गया है ।

अनु सूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 4145 सितम्बर 77 को रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्रास्प माई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1801——यतः, मुझे बी० एस० दाहिया भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ठ० से प्रधिक है,

भ्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनूसूचि में हैं जो विजय नगर जालन्धर में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिका री के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से घधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुँई किसी भाष की बाबत उक्त भिध-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रहाः अब उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रजीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री मखन सिंह भार्फत मखन सिंह हरनाम सिंह, न्यू ग्रेन मार्किट, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. 1. श्री जोगिन्द्र पाल पुत्त श्री दुनी चन्द 2. श्रीमित शन्ति देवी पत्नी श्री जोगिन्द्र पाल 3. श्रीमित राम प्यारी पत्नि श्री दुनी चन्द, 126-विजय नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह मूबना जारी करके पूर्वास्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के मंबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी जा से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत श्रविनियम के श्रव्याय 20-क में यशापरि-भाश्वत हैं, वहीं शर्य होगा जो, उस शब्याय में दिया गया है।

ग्रनुस् ची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 3686 सितम्बर 77 को राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15 मई 1978 **मोहर**: प्ररूप आई० टी० एन० एस०~~~

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धाय्क्त (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए०पी० 1802---यतः, मुझे, बी०एस० दहिया,

श्रायंकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती नौ, जालन्धर में हिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीगर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1977

(1908 का 16) क प्रधान, ताराख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त संगित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) ग्रान्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबन, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देन के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- श्रीमसी जनक रानी पत्नी श्री रोशन लाल घर नं० 130, शहीद ऊधम सिंह नगर, जालन्धर (श्रन्सरक)
- श्री सोम नाथ कमल छुष्ण पुत्र श्री इन्दर नाथ, बस्ती नौ, इन्द्र नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोंकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 3944 सितम्बर 77 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्घर

सारीखाः 15 मई 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त] (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए०पी०-1803--यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, ब्राव हर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विष्व स करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार नुल्य, 25,000/- र० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि यनुसूची में है तथा जो बस्ती नी, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध असूनुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक हैं भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के जिल् तय पाया गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माग की बावन, 'उक्त प्रधिनियम' के अधीन कर देने के प्रस्तर क का बिरय में कमी करने या उससे बचने में मुविध के निष्; ग्रीर/ या
- (ख) ऐनी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य म्रास्तियों की जिन्हें भारतीय याप कर ग्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या 'उत्तन भ्रधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की आरा 269-ए के प्रतृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा, 269-च की उपधारा (४) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्: ---

- 1. श्री मतीश कुमार पुत्र श्री श्रोम प्रकाश 130 शहीद ऊधम मिह नगर, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री सोम नाथ, कमल कृष्ण पुत्र श्री इन्द्र नाथ, बस्ती नौ, इन्द्र नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह ध्यक्ति जिसके श्रिधभोग में गम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त छछि-नियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जेसा कि विलेख नं० 3945 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम श्रिधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 15 मई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 1804— यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उनत धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से धाधिक है

स्रोधक ह

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती

नौ, जालन्धर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में

स्रोर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है

धौर पन्तरक (पन्तरकों) घौर धन्तरिती (पन्तरितयों) के बोच ऐसे
पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से
उका प्रन्तरण लिखत में वास्तिक इप से कियत नहीं किया गया

है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भक्षिनियम, के भक्षीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: मब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निस्त्रजिखित व्यक्तियों, गर्यात :---

- 1. श्री कुन्दन लाल पुत्र श्री भागमल घर नं० 156, जी० बी०, काजी मुहल्ला, जालन्धर (म्नन्तरक)
- 2. श्री सोम नाथ, कमल कृष्ण पुत्र श्री इन्द्र नाथ, बस्ती नौ, इन्द्र नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके भ्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता है (बह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की घविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पार्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 3949 सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० **द**हिया स**क्षम प्राधिकारी** स्रहायक आयकर द्या<mark>युक्त (निरीक्षण</mark>), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

द्यायकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, विनांक 15 मई 1978

निवेश सं० पी० आर० 585/एसीक्यु०-23-988/19-7/77-78---ग्रतः, मुझे, एस० सी० परीख,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० रे० स० नं० 36/1 (भाग) श्रीर 37/1 (भाग) (प्लाट नं० 3, 4, 5 है तथा जो खरोदरा इन्डस्ट्रीयल एरिया, सूरत, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-9-1977 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उाचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक इस से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त शिक्ष-श्रीयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में श्रीवधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐंनी किसी आय गा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मुजिद्या के लिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-ग के **गन्∘** सरण में, मै, उक्न श्रिधिनियम की धारा 269**प** की उप<mark>धारा</mark> (1) के श्रवीत निमालिवित व्यक्तियों, श्रवीत्:-~ 8---96G1/77

- 1. (1) दाराबणा कैरथूणाह श्रदाजितया (2) रुस्तोमजी होरमूसा जी वाडिया (3) जरीर दाराबणा श्रदाजितया सभी के० सी० श्रदाजितया चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टीज श्रदाजितया हाउस, 803-बी, डा० श्रंबेडकर रोड़, दादर, बम्बई-14 (श्रन्तरक)
- 2. फेब-रेक्ष इन्डस्ट्रीयल को० ग्रा० सर्विस सोसायटी लिमिटेंड, 5-184, हरीपुरा, रुवाला टेकरा, सूरक्ष (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त मधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुपूषी

जभीत का दुकड़ा जो सं० नं० 36/1 पैकी प्लाट नं० 3, 4 श्रीर 5 और 37/1 (भाग) खरोदरा इन्डस्ट्रीयल एरिया सुरस शहर टी॰ पी॰ स्कीम नं० 6 फाइनल प्लाट नं० 59-सी॰ पर स्थित है श्रीर जिसका कुल माप 6288 वर्ग गज 25 चौड़ा एप्रच रोड सहित) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी सूरत के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1488 में प्रदिशित है:

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहाबक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15 मई 1978

प्ररूप थाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-II

अहभदाबाद, दिनांक, 15 मई 1978

निदेश सं० पी० श्रार० 586/ए० सी० न्यू० 23-986/19-7-/77-78---श्रतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 7 नोंध नं० 2625, है। सथा जो वायडा गोरी, सैयदपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरका) भीर अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक छूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (०) ग्रन्तरण स हुई किसी प्राय की बाबत उक्त ग्रिमिनयम के प्रधीन कर देने क अलरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने हैं सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आप या जिसा धन या श्रन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त यधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 हा 27) के प्रतीजनार्थ अन्तिर्शी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के निष्;

अतः अत्र, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्तनिखित व्यक्तिों, अर्थात्:——

- (1) (1) वस्पकलाल जमनादास स्वयं तथा जमनादास भगवानदास के कुलमुख्तार रविन्द्र पार्क सोसायटी, श्रदाजन रोड, सुरत
 - 2. रतिलाल जमनादास
- 3. जथन्ती लाल जमनादास नं० 2 भ्रौर तीन रिकतः 34 समर्पन सीसायटी, रान्देर रोङ, सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) श्री यूनुस भ्रहमद धीवाला, गुलाम मोहमद श्रादमजी बादान, रामपुरा, धाडा श्रोल, सूरज (श्रन्सरिती) को यह पूचना रोगो कर पूर्वोक्त महाति के पर्जन के लिएकार्थवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा.
- , (ख) इस सूचना के राजनत से प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 । लखित से किए जा सकेंगे।

हपट्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त जब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, क सध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयं होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

श्रद्धाः ५

जमीन और मकान जो बार्ड नं० 7, नोंध नं० 2625 वायखा कोरी, सैयदपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 78-59-62 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1712 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-—II अहमवाबाद

तारीख: 15 मई 1978

प्रस्प भाई० टी॰ एन॰ एस०--

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के धधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1 4/14क, म्रासफग्रली मार्ग नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/11/1305/78-79—— भ्रतः मुझे एन० एस० चौपड़ा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

६सके पश्चात् 'उक्त श्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक ह

भौर जिसकी सं० 2/67 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है भीर घन्तरक (मन्तरकों) भीर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक क्ष्य से कथित नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत 'उक्त भ्रिष्ठिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें मारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:---

- 1. श्री सत पाल खन्ना, सुपुत्र श्री ईश्वर दास खन्ना, निवासी बी० एफ०/15, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला श्रनमानी बनाम कमला देवी, पत्नी श्री सुभाष चन्द्र निवासी 2/67, रामेण नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

 मै० किट कैट ड्राई क्लोनरस, 2/67, रामेश नगर, नई दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधमोग में सम्पिश क्रि)।

को यह सूचना आरो करते पुर्वावत सम्मति के धर्जन के लिए क्षर्यवादियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्नेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति क्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जो 'उक्त भिधितियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान जोिक 184 वर्ग गण क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 2/67 है, रामेश नगर, नई-दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं ० 2/66

पश्चिम: रोड़ उत्तर: रास्ता

वक्षिण : जायदाव नं० 2/68

एन० एस० चोपका, सक्षम प्राधिकारी: सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख** : 15-5-1978

मोहरः

प्रारूप माई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज III दिल्ली-1

> 4/14क, स्नासफग्रली मार्ग नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई, 1978

सं अप्रई ० ए० सी ०/एक्यू ०/Ш/एस श्रार-U/सितम्बर/1489/ (25)/77-78—भातः मुझे, ए० एल० सूद जायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ५० से मधिक है भीर जिसकी सं० डब्लू जैड-91/बी है तथा जो तातारपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर गरतरक (गन्तरकों) भीर (गन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निवत में वास्तविक 🚁 प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाग्रत, उक्त ग्रिविनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी वन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सब, उक्त सिंघनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त पिंधनियम की भारा 269-म की उपप्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों सर्पात्:--

- श्री मोहम्मद हुसैन, सुपुन्न श्री नूर बक्स, निवासी डब्लु जैड-91/बी, तातारपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री रंणधीर सिंह, सुपुत्र श्री बनवारी लाल, निवासी डब्लु जैंड-79, तातारपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली (ग्रन्तरिती)
- 3. मै० वी० पी० पलास्टिक कं०, डब्लु जैड-91/बी, तातार-पुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी ग्राक्षोप:→-

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी भन्य क्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूधी

जायदाव जिसका नं० डब्लु जैड-91/बी है, और क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है, तातारपुर गांव की श्राबादी में, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दिल्ली विकास प्राधिकरण का पार्क

पश्चिम : रोड़

उत्तर: जायदाद ने० डब्लु जैड-91/बी का शेष हिस्सा

दक्षिण : भ्रत्य कालीनी

ए० एल० सूद सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**जैन रेंज-III, दि**स्ली नई दिल्ली

तारीख: 15-5-1978

प्रकप धाई • टी ॰ एन • एस •-

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/।।। एस० मार०-III/ सितम्बर/730/77-78--म्रतः मुझे ए० एल० सूद,

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूह्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एल-10 है तथा जो ग्रीन पाक एक्स्टेन्शन, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर धन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिधिनियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तिमों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उन्त धिविनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त धिविनयम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वात्:—

- 1. श्री बी॰ एस॰ वेंक्टारामण, सुपुत्र श्री वी॰ सुबरामणियम श्राइयर, निवासी बी-200, नानकपुरा, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. मैं० स्टर्शलग पब्लिशर्स (प्रा०) लि०, बी ग्रो-ए-सी०/9, सफदरजंग एनक्लैव, नई दिल्ली-16। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रंथोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकितरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमु सूची

एक की होल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 167 वर्ग गज है और नं 10, ब्लाक नं एल है, निवासी कालौनी ग्रीन पार्क एक्सटैन्शन नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : प्लाट नं० एल-11 पश्चिम : प्लाट नं० एल-9 उत्तर : क्सिपैन्सरी प्लाट

दक्षिण : खुला

ए० एल० सूर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज III, दिल्ली

तारी**च** : 15-5-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांत्रय, सक्षायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजIII, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० III/एस आर-II/सितम्बर/
1493(29)/77-78—अतः मुझे ए० एल० सूद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रिधिक है

भौर जिसकी सं० वी-320 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुधिधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बत:, मब, अक्त मधिनियम की धारा 269ग क मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269न को उपधारा (1) के मधीन, निम्निविधित स्पक्तियों सर्वात्:——

- श्री महंगा सिंह, सुपुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी, 2131,
 प्रेम नगर, नई दिल्ली (श्रन्तक्क)
- श्रीमती प्रवीण गुलंशन, पत्नी श्री गुलंशन लाल भाटिया निवासी बी-320 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (भ्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी का सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भवधिया तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि ब द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन द किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरणः :--इसर्गे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जा उस्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-कर्में परिभाषित है वहां श्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है

अमुसूची

एक दुमंजिला मकान जिसका न० बी-320 है मौर क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : प्लाट नं० थी-321 पर मकान पश्चिम : प्लाट नं० बी-319 पर मकान

उत्तर : रौड़

दक्षिण : प्लाट नं० बी-299 पर मकान

ए० एल० सूद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III, विक्ली

धारीख: 15 मई, 1978

मोहरः

प्रस्प धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/129/सितम्बर-1 (10)/77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल, अंधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ए०-1/70 है तथा जो लाजपत नगर नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप के विल्ली में रिजर्टीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यलय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन तारीख 7-9-1977

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित कार्य मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्राच्या ते की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास फरने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरको) और ग्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकती आय की बाबत, उकत अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्राप्टितयों,
 ो जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम या
 धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नती किया
 गया था रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविता के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की प्रारा 269-ग के अक्सरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थोत् :—

- 1. श्री कृष्ण सचदेवा, पुत्र श्री साहिब दयाल निवासी एच०-1/70 लाजपत नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम स्वरूप दुरेजा पुत्र स०श्री दौलात राम दुरेजा निवासी 138, बिनोवापुरी लाजपत नगर नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी मासुन :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामीहा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास होंगे।

स्थादिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदीं का, जी ग्रायकर ग्रिकित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डब्ल स्टोरी बिलर्डिंग जो कि 100 वर्ग गज क्षोत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं एच०-1/70 लाजपत नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्वः लौन पश्चिमः लेन

उत्तर : मकान नं० 69 दक्षिण : मकान नं० 75

> जे० एस० गिल सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज 1,दिली,नईदिल्ल

तारीख: 18 मर् 1978

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th April 1978

No. A. 32014/1/78-Adm. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 10-4-78, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 15-4-78 to 12-5*78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Adm. III(2).—The President is pleased to appoint Shri G. V. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 24-4-78 to 9-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 3201*/1/78-Admn. III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Stri. R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Shri J. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 30-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is eatlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(5).—The President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Unon Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 13-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-78, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-4-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(7).—The Presdent is pleased to appoint Shri O. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 8-5-78 to 30-6-78 or until further; orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERIFF
Under Secy.,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 12th May 1978

No. F. 2/18/78-Estt (CRPF) (Pers. II).—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri H. C. Scod Dv. S.P. to the rank of Assistant Commandant in the C.R P.F. w.e.f. 7-7-77 to 10-1-78, while he was on deputation to the I.C.F.S. Ministry of Home Affairs

The above promotion is subject to review on finalisation of the cradation list of Deputy Superintendent of Police in the C.R.P.F.

C. CHAKRABORTY Director

DIRFCTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 16th May 1978

No. O. II-1080/78-Estt --The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Ashok Kumar Jain,

JMO (GDO Gd. II) Group Centre, CRPF, Bantalab, Jammu with effect from the forenoon of 8-2-78.

The 17th May 1978

No. O. II-116/71-Estt.—Consequent on his repatriation to parent State i.e. Maharashtra, Shri O. P. Bali, IPS relinquished charge of the post of Commandant 40th Bn., CRPF on the forenoon of 1st May, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE DEPIT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 21st April 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/57/75 dated 14-9-76 the appointment of Shri R. K. Mehrotra as Asstt. Engineer (Elect.) in Bank Note Press, Dewas on standard deputation terms is extended for a further period of one year with effect from 28-10-77 (F.N.).

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/23/77 dated 13-7-77 the ad hoc appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period from 1-2-78 to 24-3-78 on the same terms and conditions.

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/23/77 dated 15-1-78, the ad hoc appointment of Shri S. K. Mathur as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months, with affect from the Forenoon of 19-4-1978 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 10th May 1978

File No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification number BNP/C/76/75 dated 20-2-77. the deputation period of Shri N. N. Aggarwal as Assistant Engineer (Air-conditioning) in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of One year with effect from the Forenoon of 23-12-77, on the existing terms and conditions.

File No. BNP/C/5/78.—Shri V. Sampath Giri, Permanent Junior Supervisor (Air-conditioning) is promoted on regular basis to officiate as Assistant Engineer (Air-conditioning) in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Bank Note Press. Dewas, with effect from 2-5-78 (F.N.) until further orders.

P. S. SHIVARAM

General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTANTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 16th May 1978

No. 608-CA. 1/397-69.—Consequent upon his permanent absorption with the Instrumentation Limited. Kota with effect from 20-1-1977, sancetioned by the Government of India. Ministry of Finance, the Addl, Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has accepted the resignation of Shri M L. Malik, Audit Officer (Commercial) from Government service from the same date.

No. 609-CA. 1/61-71.—Consequent upon his permanent absorption with the Hindustan Paper Corporation Limited, sanctioned by the Government of India. Ministry of Finance with effect from 8-8-1976, the Addl. Denuty Comptroller & Auditor General (Commercial) has accepted the resignation of T. R. Ahuta, Audit Officer (Commercial) from Government service from the same date.

No. 610-CA 1/373-69.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shti M. Subba Rao, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government Service under provision of FR 56 (K) with effect from 12-3-78 (AN).

S. D. BHATTACHARYA.

Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 4th May 1978

No. ESI/A4/78-79/81.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Officiating Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Sri

- 1. V. Ratnam.
- 2. M. A. Rajagopalan.

M. A. SOUNDARARAJAN Senior Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ORISSA

Bhubaneswar, the 4th April 1978

No. O.O.C. 9.—The Accountant General has been pleased of appoint Shri D. N. Biswas a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. | 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 3-4-1978 F.N. until further orders. The Promotion is without prejudice to the claims of his seniors.

R. S. SHARMA

Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 12th May 1978

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri P. K. Balakrishnan Nair, Accounts Officer of the office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation in the AN of 30th April, 1978.

R. K. A. SUBRAMANYA
Accountant General

Tridvandrum 15th May 1978

No. Estt. A. VII/9-86/Vol. II/46—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentiond Permanent Section Officers (Adudit and Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from the dates shown against each, until further orders:—

- 1. Shri P. Govindan Nair -11-5-1978 F.N.
- 2. Shri T. Radhakrishnan-11-5-1978 F.N.
- 3. Shri G. Mahadevan-11-5-1978 F.N.

No. Estt. A.VII/9-86/Vol. II/46.—The Accountant General, Kerala has appointed 'S/Shri K. K. Mehaboob Ali and K. K. Ravivarman Nambiar, permanent Section Officers of this Office, presently on deputation to Kerala Shipping Corporation Limited, Cochin and the Office of the Chief Engineer, P.H.E.D., Trivandrum respectively, to officiate as Accounts Officers in this Office with effect from 11-5-1978 F.N. under the 'Next Below Rule' until further orders.

S. JAYARAMAN

Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 15th May 1978

No. 865/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. P. Singh, Substantive member of S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Audit Officer, Defence Services, Jullundur, with effect from 14-4-78, until further orders.

G. DWARKANATHAN
Sr. Dy. Director of Audit,
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 10th May 1978

No. 4771/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Ramachandran, an officer of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as the Controller General of Defence Accounts with effect from the Forencon of 1st May, 1978.

V. S. BHIR Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F.

D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 4th May 1978

No. 7/78/A/E-I—The DGOF is pleased to promote the following Permanent Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders

- 1. Shri Hirondra Nath Chowdhury-3-4-78
- 2. Smt. Lakshmi Menon-3-4-78
- 3. Shri Sanat Kumar Sinah-3-4-78
- 4. Shri Nirode Ranjan Roy-3-4-78

No. 8/78/A/E-1.—The DGOF is pleased to promote the following Offg. Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders:—

- 1. Shri Surendra Nath Biswas-3-4-78.
- 2. Shri Amal Kumar Saha-6-4-78.

No. 9/78/A/E-1—The DGOF is pleased to promote the following Permanent Stenographers Grade III/Offg. Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without effect on seniority from the dates shown against each until further orders:—

- 1. Shri Sudhansu Kumar Banerjee-3-4-78
- 2. Shri Biswanath De-3-4-78
- 3. Shri Niranjan Guha Roy-3-4-78

The 6th May 1978

No. 10/78/A/E-1.—On attaining the age of superaunuation, Shri Sudhir Chandra Das, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 30-4-78 (A.N.).

No. 11/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Hirendra Nath Chowdhury, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 30-4-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin. II
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 10th May 1978

No. 4/78/A/M.—The President is pleased to appoint the following officer with effect from the date indicated below until further orders:—

Name & Post, Posted at and Date

Dr. Naresh Kumar Shingla, Asstt. Medical Officer, Ordnance Factory, Muradnagar—1-4-78.

P. N. TRIKHA Brig.

Director of Health Services, for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-16, the 9th May 1978

No. 17/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri O. Rego, Offg. Dy-Manager (Subst. Store Holder) retired from service with effect from 28-2-1978 (A/N).

V. K. MEHTA ADGOF/Est. MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

AND EXPORTS

New Delhi, the 3rd May 1978 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/100/55-Admn.(G)/3275.—The President is pleased to appoint Sh. K. Jayaraman, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay, to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in that office with effect from the forenoon of the 4th January, 1978, until further orders.

2. This supersedes this office Notification of even number dated the 2nd March, 1978.

K. V. SESHADRI

Chief Controller of Imports and Exports

Directorate General of Supplies & Disposals

(Administration Sec. A.6)

New Delhi, the 2nd May 1978

No. A-6/76(4/-58 /XV—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Director of Inspection (Grade 1 of Indian Inspection Service, Group 'A') with effect from the date indicated against the name of each officer:—

Sl. No.	Name	Post held	Post in which confirmed con	Date of firmation	Remarks
1	2	3	4	5	6
S/Shri 1. K.C. I	Outta Gupta	. Director of Inspection (Retired)	Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service Grou 'A')		Vice Shri M.R. Patel permanent Director of Inspection retired on 21-11-72 (AN).
2. L. M.	Ray	, Do.	Do.	4- 1-74	Vice Shri D. P. Chatterjee, Pt. Director of Inspection retired on 4-1-73 (AN).
3. D.T. C	Burshani .	. Do.	Do.	11-7-74	Vice Shri P. C. Kapoor Pt. Director of Inspection confirmed as DDG(I) w.e.f. 25-6-73.
4. J. I. C	nhabra .	. Director of Inspection, N.I. Circle New Delhi.	Director of Inspection (Gr. I of Indian Inspec- Service Group A)	12-7-74	Vice Shri P. K. Chakra- vorty Pt. Director of Ins- pection retired on 8-7-73 (AN)

SURYA PRAKESH Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Dehi, the 15th May 1978

No. 2/5/68-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. D. Achari, Accountant, All India Radio, Panaji to officiate as Adminstrative Officer, All India Radio, Panaji on ad hoc basis with effect from 28-4-78 (F.N.) in the leave vacancy vice Shri N. Sivasubramanian granted leave for 65 days from 28-4-78 to 1-7-78.

C. G. SRINIVASAN
Deputy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 12th May 1978

No. A. 19025/66/78-A. III.—Shri M. P. Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 20-4-1978 (F.N.)

on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/78/78-A. III.—Shri K. K. S. Sirohi, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi, with effect from 20-4-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 15th May 1978

No. A. 39013/1/78-A. III.—The resignation tendered by Shri V. J. Luka, Assistant Marketing Officer in this Directorate, has been accepted by the Competent Authority with effect from 3-3-1978 (A.N.).

No. A. 19023/33/78-A. III.—Consequent upon the acceptance of the resignation tendered by him, Shri N. C. Halder, Marketing Officer, is deemed to be relieved of his duties in this Directorate with effect from the afternoon of 30-4-78, on the expiry of 3 days' earned leave sanctioned to him from 28-4-78 to 30-4-78.

w. N. Charles, America

No. A-19024/5/78-A. III.—Shri Chandra Prakash, Senior Chamist, has been appointed to officiate as Chief Chemist at Regional Agmark Laboratory, Madras, with effect from the 18th April 1978 (FN) on short term basis for a period of six months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti 323303, the 15th May 1978

No. RAPP/Rectt./9(20)/78/S/460.—On posting from Bhabha Atomic Research Centre vide DAE's office order No. 7/27/75-CCS dated 18-8-1977, the Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri V. P. Naik a permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in Junior Administrative Officer Grade (Rs. 840—1200/-) in a temporary capacity in this Project with effect from 24th October, 1977 (FN), until further orders.

GOPAL SINGH Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

DFPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 8th May 1978

Ref. DPS/41(2)/77-Adm./13859.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated February 28, 1978, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storckeepers in the Stores Unit, Trombay to officiate as Assistant Stores Officers on an ad hoc basis for a further period ending June 30, 1978 (AN):—

- 1. Shri Mihir Chandra Roy.
- Shri Muliyappurath Raju.
- 3. Shri Vasant Yashwant Gokhale.

The 11th May 1978

No. DPS/2/1(1)/77/Adm./13954.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 4, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazirchand, Chief Storekeeper of this Drectorate to officiate as Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period upto June 30, 1978.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 12th May 1978

No. AMD/1/24/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mukund Singh, Permanent Assistant as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 24 April, 1978, until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 26th April 1978

No. 1/80/78-EST.—Shi D. P. Rao, Permanent Assistant Engineer, D.T.S., Poona, expired on the 4th March, 1978

P. G. DAMLE, Director General

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE NAGPUR

Nagpur, the 9th May 1978

No. 6/78.—Consequent upon his transfer vide Collector's Establishment Order No. 51/78, C. No. II(3)1-Con/78, dated 11-4-1978, Shri S. Banerjee, Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur has, in the forenoon of 22nd April, 1978, assumed regular charge of Assistant Collector (Hq/s) which he was holding as additional charge with effect from 24-10-1977.

Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector, Central Excise Division-II, Nagpur has taken over the charge of Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in addition to his own charge with effect from 20-4-1978 (A.N.), relieving Shri S. Banerjee of his charge.

M. R. PAROOLAKER, Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the May 1978

No. 9/78.—Shri M. L. Gupta lately posted as Supdt. Central Excise, Group 'B' in Central Excise Collectorate, Kanpur, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad on 10-4-78 (F.N.) vice Shri S. N. Tewari retired.

S. VENKATARAMAN, Director of Inspection

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

Delhi-12, the 10th May 1978

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 25/1978.—On transfer Shri A. H. M. Shand, Assistant Chemical Framiner, Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur has assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from 6-5-1978 (F.N.).

KESHAV PRASAD, Deputy Chief Chemist, Central Revenues

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th May 1978

No. 33/12/73-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Kabindra Nath Saikia a nominee of the UPSC against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 100/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50 ~1600/- (plus usual allowances) with effect from 6-4-1978 F.N. on the usual term and conditions.

 $2~{\rm Shm}$ Saikia is placed on probation for period of two years with effect from 6-4-78 (F.N.).

KRISHNA KANT, Dy. Director of Administration

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (P)

Pandu, the 11th May 1978

No. E/55/III/94 Pt. III(O).—Shri S. Venkataraman, Junior Scale Office of the Civil Engineering Department confirmed in the Senior Scale with effect from 1-1-1978.

M. R. N. MOORTHY, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Trident Marketing and Advertising Pvt. Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 6867/8596.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Trident Marketing and Advertising Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of .

Himadri Foods Private Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 6668/8598.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himadri Foods Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Siri Krishan Suchdeva S/o Shri Sahib Dayai R/o H-I/70, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Sarup Dureja S/o Late Shri Daulat Ram Dureja R/o 138, Vinobapuri, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the18th May 1978

Ref. No. IAC/Acq. I/129/SEPI(10)/77-78/569.—Whereas, I, J. S. GILL.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H-1/70, situated at Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 7-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The lease-hold Double storeyed property No. H-I/70, Laipat Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds. to the vendee which is bounded as under :—

On the East: Lawn
On the West: Lane
On the North: Qr. No. 69
On the South: Qr. No. 75

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 18-5-1978

Scal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/130/Sep.U/77-78/569.—Whereas, I. J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

56, situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi-110003

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kora Mal alias Kora Lal S/o Shri Himat Rai R/o No. (shop) No. 56, Khanna, Market, Lodhi Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Rattan Lal Sharma S/o Late Shri Kishana Ram Sharma R/o Shop No. 56, Khanna, Market, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Government Built shop bearing No. 56, constructed on a lease hold plot measuring 27.7 sq. yds. situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi-110003.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 18-5-1978

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA DEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/Sept/127/77-78/569.—Whereas, I, S. GILL,

reing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe

hat the immovable property having a fair market value xceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-129, situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-9-1977

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

 Shri Hem Chand s/o Shri Sohan Lal R/o House No. 3104, Mohalla Dassan, Hauz Qazi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Raj Vij S/o L. Shri Trilok Singh and Mrs. Promila Vij, w/o Shri Jagjit Raj Vij R/o 11/4, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold single storeyed residential house bearing No. 129 in Block 'E' on 250 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. E-127 West: Plot No. E-131 North: Service Lane South: Road

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 18-5-1978

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 36/78-79,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-48/2 situated at Ameorpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairtabad on Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Jagdish Chander Bharl, Manager, Dunlop India Ltd., Public Garden Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Arrabolu Appala Rao, Manager, I.T.C. Ltd., Banaganapally, Kurnool-Dist.

(Transferee)

(3) Sri Dhanavathe, H. No. 7-1-48/2 Ameerpet, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-1-48/2 at Raja Shankaran Road, Ameerpet, Hyderabad registered vide Doc. No. 2201/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-5-1978

Scal:

__ -_-

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 37/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot in S. No. 174 situated at Nizamguda Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 29-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
10—96GI/78

(1) Smt. V. Vanajakshi w/o Sri V. Narsimha Reddy, R/o Adoni, Kurnool-Dist.

(Transferor)

 Sri K. Linga Reddy s/o Narsi Reddy, R/o Pasara Mulug-Tq., Warangal-Dist.

(Transferee)

Object.ons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 450.97 Sq. Yds. in S. No. 174 Nizamguda, Panjagutta, Hyderabad, registered through Dec. No. 2373/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Kyalasa Ramesh Babu,
 Master Kyalasa Nagaraj,
 Both residing at 174 Ganj Bazar,
 Secunderabad.

(Transferor)

Sri V. Nagesh S/o Sri Krishna,
 V. Satyanarayana,
 Both residing at New Bhoiguda,
 Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 38/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-3/826 827, 760, 761, 762 situated at

General Bazai, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), har been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 9th Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-3-826, 3-3-827, 3-3-760, 3-3-761, and 3-3-762 situated at Goneral Bazar, secunderabad, registered vide Doc. No. 1506/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K, S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 12-5-1978

 Smt. Lakshmi Bai w/o Sri Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M15. Mumtaz Karan W/o Dr. S. Roop Karan, H. No. 3-5-812, "Vizir Villia" at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 39/78-79.—Whereas, 1, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop I, in 5-8-525 situated at Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-9-1977

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. I, Part of premises No. 5-8-525 situated at Chiragali lane, Hyderabad, comprising of 33.68 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2556/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Kandiganti Ramchander, H. No. 4-2-723 at Ramkote, Hyderabad,

(Transferor)

 Sri Ganji Rajeswar Rao, 5-1-535 at Gahsmandi, Secunderabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 40/78-79.—Whereas, I, K. V. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Portion of 4-8-40/2 & 3 land situated at

Gowliguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Hyderabad on Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifte n per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 363 Sq. Yds. rear portion of premises No. 4-8-40/2 and 3 at Rangmahal Road, Gowliguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2673/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC. No. 49/78-79.—Whereas, I, K S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-1-965 situated at Seetharambagh, Mallapally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Sep. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sabiha Begum 2. Bilquis Iqbal,
 - 2. Bilquis Iqbal, 3. Syed Fazail,
 - 4. Tayyaba Hashem,
 - Sadiqa Afcef,
 Mohsina Akif,

All residing at 11-1-963 at Seetharama Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd. Jahangeer S/o Mohd. Hussain, H. No. 14-1-310 at Seetaram Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 11-1-965 at Seetharam Bagh, Mallapally, Hyderabad registered vide Doc. No. 2282/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1978

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC. No. 50/78-79,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-335/4, & 5 situated at Narayanguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sharan Bin Yousuf Ali
 Mohammadi Begum,
 Ayesha Begum,
 All minors, Represented by mother Smt. Rabab Begum,
 R/o Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Varshney
 S/o Sri Ram Babu Varshney
 H. No. 2-2-647/182 Central Excise Colony
 New Nallakunta, Hyderabad

(Transferee)

(3) M/s. Liquors Enterprises,M. No. 3-5-335/4 and 5At Narayanguda, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Mulgies bearing M No. 3-5-335/4 and 3-5-335/5 at Vittal Wadi, Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2628/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. (Mrs.) Farzana Qureshi, G.P.A. Mrs. Saifia Qureshi A-Class quarters No. 445 at Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. C. Satish \$/0 C. Aswathama, H. No. 3-5-804/2/3 King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC. No. 51/78-79,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot situated at Masab Tank, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 1-9-1977

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 599 Sq. Yds. in Masab Tank, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2159/77 with the Sub-Registrar Khairtabad, Bounded on:

South by: Road

North by: 10-5-7/1 Wakf to Tamire Milleth, East by: 10-5-3/2/7 Rameshchandra, West by: 10-5-3/2/5 Mujtaba Khan.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref No. RAC. No. 52/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-661 situated at Somajiguda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri P. V. Narasimha Rao R/o Dokiparru, Krishna Dist.
 Smt. R. Buchammai W/o Sriramulu Naidu, R/o Orakadu, Madras-52.

(Transferor)

(2) Smt. Kolli Vasumathi W/o Venkateshwar Rao, 6-3661 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land area 662 Sq. Yds. M. No. 6-3-661 at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2244/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 17th May 1978

Ref. No. RAC. No. 53/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule,

5-8-107 situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the following persons, namely :-

(1) Mir Akbar Sultan S/o late Mir Hussain Sultan, H. No. 5-8-107, Nampally Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ali Bhai s/o Virji, 5-4-656, Old Kattalmandi, Hyderabad.

(Transferce)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The house bearing H. No. 5-8-107, Nampally Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2664/77 with the J.S.R. Hyderabad.

> K S. VENKATARAMAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. SNM/39/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 96 Kanal-7 Marlas, situated at Village Dharam Garh Chhana Teh Sunam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurnam Sing S/o Shri Mehar Singh R/o Vill. Dharam Garh Chhana Tehsil Sunam

(Transferor)

S/Shri 1. Baldev Singh 2. Sukhdev Singh
 Chhota Singh, 4. Nam Dev Singh
 Ss/o Shri Sadhu Singh
 R/o Village Dharamgarh Chhana Tehsil Sunam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 96 Kanals 7 Marlas, situated at Village Dharam Garh Chhana Tehsil Sunam.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1787 of September, 1977 of the Registering Authority at Sunam).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. SML/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Simla-1 situated at Simla-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in September, 1977.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Swami Pragyana Nand Sarswati Swadhya Ashram,
 R/o Talbot House Estate, Simla-I.

(Transferor)

(2) Shri Sheel Chander S/o Shri Nanak Chand, R/o D-102, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Situated in Simla-I.

(Property on montioned in the Registered Deed No. 544)

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 54 of September, 1977 of the Registering Authority, Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

Soal:

 Swami Pragyana Nand Sarswati Swadhya Ashram,
 R/o Talbot House Estate, Simla-I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Nanak Chand S/o Sh. Ch. Shiv Saran Dass R/o D-102, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. SML/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Simla-1 situated at Simla-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in September, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Floor of Swadhya Ashram Talbot House Situated in Simla-I.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 549 of September, 1977 of the Registering Authority, Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/25/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

A house measuring 545 sq. yds. situated at Moti Bagh, Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in October, 1977,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Omparakash S/o Shri Walaiti Ram R/o Nabha Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Jaswant Rai, 2. Tejawant Rai, 3. Bhagwant Rai Ss/o Shri Budh Ram R/o Nabha Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undertigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 545 sq. yads situated at Mott Bagh, Nabha Distt Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1346 of October, 1977 of the Registering Authority at Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/29/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 Bigha 5 Biswas, situated at V. Duladi Tehsil Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Acs, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Nabha in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mohinder Singh S/o Shri Arjan Singh R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferor)

(2) M/s. Nath Mills, R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bigha 5 biswas situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1577 of the November, 1977 of the Registering Authority Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/30/77-78.—Whereas, I, NTHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 4 Bigha 6 Biswas, situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Joginder Singh
 S/o Shri Arjan Singh
 R/o V. Duladi Tensil Nabha.

(Transferor)

(2) M/s. Nath Mills, R/o V. Duladi Tehsil Nabba.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 6 Biswas situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1578 of the November, 1977 of the Registering Authority Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Teja Singh
 S/o Shri Arjan Singh
 R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferor)

(2) M/s. Nath Mills, R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/31/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 4 Bigha 5 Biswas, situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 5 Biswas situated at Village Duladi Tehsil Nabha.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1626 of the November, 1977 of the Registering Authority Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shii Mukhitiar Singh S/o Shr₁ Arjan Singh R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferor)

(2) M/s. Nath Mills, R/o V. Duladi Tehsil Nabha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CHNIRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/35/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Bigha 6 Biswas, situated at Vill. Duladi Tehsil Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

12---96GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 6 Biswas situated at Vill. Duladi Tehsil Nabha. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1627

of the December, 1977 of the Registering Authority at Nabha).

> NATHU RAM, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhlana, the 15th May 1978

Ref. No. NBA/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 bigha and 3 biswas situated at Village Duladi, Tehsil Nabha, District Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in December, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act'. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely;—

S/Shri

1. Darshan Singh
2. Thakur Singh. J
Residents of Village Duladi, Tehsil Nabha,
District Patiala.

(Transferor)

S/Shri

(2) 1. Ram Gopal s/o Babu Ram R/o Patiala.

 Suraj Bhan s/o Ram Gopal R/o Patiala.

 Kamla Devi w/o Siam Lal, R/o Nabha.

4. Chander Kanta w/o Jaswant Rai R/o Nabha.

 Bimla Rani w/o Om Parkash, R/o Nabha.

6. Santosh Kumar s/o Sham Lal, R/o Nabha.

7. Rajesh Kumar s/o Sham Lal, R/o Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bigha and 3 biswas, Khewat No. 134-Min, Khataoni No. 256, Khasra No. 399 (3-18), 1670

(3-15), 401 (7-10) situated in Village Duladi, Tchsil Nabha, District Patiala,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1601 of December, 1977 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1978

Ref No. NBA/43/77-78.—Whereas, I. NATHU RAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12 bighas 15 biswas, situated at V. Duladi Tehsil Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Nabha in January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursurance of Secton 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely :-

S/Shri

Saijan Singh son of Smt. Nand Kaur.

2. Gurdial Singh

Sons of Basanta Singh

3. Bachan Singh

& Thakur Singh

Residents of Village Duladi Tehsil Nabha. (Transferor)

S/Shri Telu Ram s/o Shri Kapuri Mal.

2, Bihari Lal

Sons of Shri Telu Ram

3. Lal Chand

Residents of Village Duladi Tehsil Nabha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas 15 Biswas situated at Malerkotla Road, Village Duladi Tehsil Nabha. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1919 of January, 1978 of the Registering Authority at Nabha).

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 16th May 1978

No. AR-II/2511-7/Sept.77.—Whereas, I, G. A. Ref. JAMES.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 21 H. No. 2 (Pt) Plot No. 20-21 of Private T.P.S. situated at Vile Parle (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 7-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Manjulaben Chimanlal Sheth and Shri Chimanlal Prabhudas Sheth

(Transferor)

(2) Om Chandra Milan Cooperative Housing Society

(Transferee)

S/Shri

(3) 1. Harshad Jagannath Maniar

- 2. Diwaliben Rajmal Shah
- Uttamchand Chhogalal Mehta
- Ishwar Chunilal Patel
 Asha T. Petdar
- 6. Manjulaben Chimanlal Seth
- 7. Hansa Yeshwant Sanghayi 8. Bhagwandas Vishwanath Gupta

- 9. Pranial Mansukhlal Parikh
 10. Hansa Pranial Parikh
 11. Pravin Popatial Shah
 12. Jayagauri Vallabhdas Simaria
- 13. Pravinchandra Babulal Shah
- Kantaben Nagindas Shah
- Mahesh Amratlal Doshi
 Cotex Pvt. Ltd.

- 17. Universal Textile Pvt Ltd.
- Deepak Tulsidas
 Aject Tulsidas
- 20. Tulsidas Kanji
- 21. Arunaben Ramesh Shaha
- 22. Liliben Rikhavdas Shah 23. Kikabhai Vithaldas Shah
- 23. Kikabhai Vithaldas Shah
 24. Smt. Madhuri Kikabhai Shah
 25. Smt. Pushpavati Himatlal Shah
 26. Girdharilal Keshavdeo Surekha
 27. Smt. Kamala Girdharlal Surekha
 28. Amrishbhai M. Desai
 29. Dulerai M. Mulani

- 30. Laxmiprasad Kalidas
- 31. Natwarlal Maganlal
- 32. Nemiben Motichand Zaverl
- 33. M/s. Amratlal & Co.

(Person in occupation of the property)

- (4) M/s. Amratlal & Co.,
 - Shri Amratlal Jadayji Shanghavi, Shri Mohanlal Jadayji Sanghavi, Shri Gangadas Jadayji Sanghavi,

 - Smt. Kusumben Manubhai Sanghavi, Smt. Smitta Amratlal Jadavji Sanghavi.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vile Parle (East) Mahatma Gandhi Road, in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 2560 (two thousand five hundred and sixty) square yards equivalent to thousand five hundred and sixty) square yards equivalent to 2150 (two thousand one hundred and fifty) square meters or thereabouts and bearing Survey No. 2!, Hissa No. 2 (Part) and Plot Nos. 20-21 of Private Town Planning Scheme known as "Paranjape Scheme" (A) and bounded as follows, that is to say on or towards the North by land bearing Survey No. 21—Hissa No. 1 bearing Plot No. 22 of the said Scheme, on or towards the South by land bearing Survey No. 20-A Hissa No. 1 and non-agricultural Survey No. 20-D and bearing Plots Nos. 12-A and 12-12-B respectively of the said Scheme, on or towards the East by the 24 feet Road of the said Scheme and on or towards the West by the 16 feet Road of the same Scheme together with the buildings thereon and which premises are known as "Kala Kunj" and are assessed under K Ward No. 1380 and 1381 Street Nos. 42 and 43 Mahatma Gandhi Road.

> G. A. JAMES Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 16th May 1978

(1) Dr. V. A. Pinto, S/o B. Pinto, Rathnaglri Road, Chikmagalur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar-4, the 12th May 1978

Notice No. 215/78-79/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. No. 2751 and 2752 situated at Ratnagiri Road, Basavanahally, Chikmagalur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document No. 1015 on 2-9-1977 for an apparent consideration which is less than the tate market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Dr. J. P. Krishna Gowda, S/o Shri J. Puttaswamy Gowda, Joldhal Post, Chikmagalur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.C.C. Building and site situated at Basavnnahally Extension, Chikamagalur, bearing Nos. 2751 and 2752.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date: 12-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No.AP-1780.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule

situated at Model Town(Jullundur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Om Parkash S/o Shri Girdhati Lal R/o 473-R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Suraj Parkash and Chand Parkash Ss/O Shri Hans Raj Chhabra, R/o 473-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

¡Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registeration sale Deed No. 3789 of September, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1781.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at

Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Sant Kaur W/o Piem Singh 516-L, Model Town, Juliundur.

(Transferor)

(2) Sardar Singh S/o Shri Bhagwan Singh 270-New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As per S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Koth as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5131 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1782.-Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at New Colony, Model Town, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Prof. Sadhu Singh
 S/o Shri Labh Singh
 V. & P.O. Karyan Teh. Nawanshahar,
 Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh S/o Shri Hazara Singh, ADA-I, C/o D.I.G., C.I.D., Chandigarh.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4710 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DFHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULI UNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1783.—Whereas, I. B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at

Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
13—96GI/78

 Smt, Brij Pal Kaur W/o Shri Harkirt Singh, M.G.D. Public School, Jaipur,

(Transferor)

(2) Shri Mangal Sain KumarS/o Shri Lakhmi Das,6-Nursury, Model Town, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4214 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1784.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Buldg, at G.T. Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ari sing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(7) Shri Khazan Chand Bhalla S/o Shri Gian Chand C/o Bawa Filling Station, Tanda Urmar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Bhalla S/o Shri Tirath Ram Bhalla, 371-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occapation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3886 of September, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref No. AP-1785.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Building at G. T. Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Juliundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(7) Shri Khazan Chand Bhalla S/o Shri Gian Chand C/o Bawa Filling Station, Tanda Urs Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Rani Bhalla W/o Shri Tirath Ram Bhalla, 371-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property
- (4) Any other person interested in the property
 [Person whom the undersigned know to be interested in the propert

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective perso whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immable property within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the \$3 Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3891 of September, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-5-1978,

FORM TINS-

NOT E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1786,-Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. as per Schedule situated at

Chak-Husaina, Lama Pind, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullandar on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresald property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the followg persons, namely :--

(1) 1. Shri Bhagtu, 2. Shri Gurbachan Singh S/o Shri Rala S/o Shri Devi Chand R/o Chak-Hussaina, Lama Pind, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Shiv Inder Charan Singh Tur S/o Shri Bal Charan Singh, 103-New Jawahar Nagar, Juliundur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale deed No. 3963 of Sept., 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

> B S. DEHIYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1787.--Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Behram Stishta, Jullundui (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Septembre ,1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen

per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely '—

Shri Gurmail Singh
 S/o Shri Hazara Singh
 Shri Gurdev Singh, 3. Joginder Singh,
 Vill. Behram Srishta, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagat S/o Sh. Labh Singh S/o Hira Singh

Vill. Behram Srishta, Teh. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3816 of Sept., 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DIHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1788.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Vill. Saipur, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Sh. Sat Prakash
 S/o Shr Pala Ram
 Attorney to Smt. Lila Bharj
 W/o Shri Sat Parkash,
 25-Sadar Bazar, Jullundur Cantt

(Transferor)

(2) M/s Thakar Engg. Works, M-5, Industry Area, Juliundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 3973 of Sept., 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1789.—Whereas, T. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, as per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Guru Nanak Public Welfare Trust, Milap Chowk, Jullundur (Through Shri Gurbax Singh Adv.)

(Transferor)

(2) M/s Amrit Sports, 66-Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property:
- (4) Any other person interested in the property
 [Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 3809 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1790.—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Near Narindera Cinema, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act.' to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said -Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Raghbir Singh Ohri S/o Shri Natha Singh, 542-Model Town, Jullundur, G.A. to Smt. Attar Kaur W/o Natha Simch, (Transferor)
- (2) Shri Dharma Vir S/o Shri Shanker Dass, 1st Floor, Marfket New Jawahar Nagar, Juliundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 Share of Plot as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 3966 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

> B S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Juliundur.

Pate: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1791.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Near Natinder Cinema, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely:—

14-96GI/78

- Shri Ram Singh S/o Shri Natha Singh of Kot Bahadur Khan, Jullundur at present Vill. Pabdaba Teh. Bilaspur, Distt. Rampur (Transferor)
- Shri Dharam Vir S/o Shri Shauker Das Ist Floor, Market New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
 [Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4001 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1792.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Near Narindra Cinema, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 7 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh, S/o Shri Gian Singh Kot Bahadur Khan, at present Vill. Dabdaba, Teh. Bilaspur, Distt. Rampur.

(Transferor)

(2) Shri Dharamvir S/o Shanker Dass 1st Floor, Market New Building Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4002 of September, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP-1795.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Central Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iniome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Chander Malhi S/o Atma Singh, 70/8, Central Town, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Mitter Goel S/o Sadhu Ram 54/8-B, Central Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3754 of September 1977 of the registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1796.-Whereas, I, B. S. Dchiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Beas Pind, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October 1977 for an apparent consideration which the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Mohinder Singh S/o Bakshish Singh G. A. to Shri Bakshish Singh S/o Shri Banta Singh, Vill. Beas Pind, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Iqbal Singh S/o Shri Bakshish Singh Vill. Beas Pind, Teh. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4676 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundun

Date: 15-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1797.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Beas Pind, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Ocotber 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such trans-

fer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh S/o Shri Bakshish Singh G.A. to Shri Bakshish Singh S/o Shri Banta Singh, Vill. Beas Pind, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh S/o Bakshish Singh, Vili Beas Pind, Tch. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4677 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Sadhu Ram S/o Shri Kishori Lal, Malsian, Teh. Nakodar Distt. Jullundur,

(Tiansferor)

(2) M/s. Guru Ram Dass Rubbet Industries, Preet Nagar, Basti Bhue Khan, Jullundur.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1798.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Basti Bhure Khan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transcree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

(4) Any other person interested in the property

(3) As per S. No. 2 above.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3684 of September 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

P. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-5-1978.

Scal:

PART III—SEC, 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1799.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Patel Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--15-96GI/78

(1) Dr. Gurbax Singh Nayyar, 124-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Punjab Goods Carrier, G. T. Road, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the registration Sale Deed No 4271 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHLYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1800.—Whereas, J. B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagwanti W/o Shri Bir Singh 76-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

Smt Salochana Kathan D/o Tulsi Rom Kaman,
 Smt. Sita Sharma W/o Prithvi Raj Sharma, 76-R,
 Model Town, Jullundur.

(Transferee)

"(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ko'hi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4145 of Sentember. 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15 5 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1801.—Whereas, I, B. S. Desiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vijay Nagar, Pullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harnam Singh S/o Shri Makhan Singh C/o Makhan Singh, Harnam Singh, New Grain Market, Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Joginder Pal S/o Duni Chand,

2. Smt. Shanti Devi W/o Shri Joginder Pal,

 Smt, Ram Piari W/o Shri Duni Chand, 126-Vijay Nagar, Jullundur City.

*(3) As per S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Deed No. 3686 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-5-1978.

Seal

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullandur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1802.—Whereas, I. B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Janak Rani W/o Roshan Lal H. No. 130, Shaheed Udham Singh Nagar, Juliundur City.
- (2) Shri Som Nath, Kamal Krishan Ss/o Shri Inder Nath, Basti Nau, Inder Nagar, Jullundur. (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3944 of September, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Jullundur.

Date: 15-5-1978.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1803.-Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundui (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jullandar on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satish Kumar S/o Shri Om Parkash 130-Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath, Kamał Krishan Ss/o Shr₁ Inder Nath, Basti Nau, Inder Naga', Jullundur City.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3945 of September, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 15-5-1978.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Julundur, the 15th May 1978

Ref. No. AP/1804.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Basti Nau, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Kundan I.al S/o Shri Bhag Mal, H. No. 156,
 G. B. Qazi Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath, Kamal Krishan Ss/o Shri Inder Nath, Basti Nau, Inder Nagar, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3949 of September, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-5-1978.

FORM ITNS ----

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th May 1978

Ref. No. P. R. No. 585 Acq. 23-988/19-7/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Rev. Sur. No. 36/1 (Part) and 37/1 (Part) Plot Nos. 3, 4 & 5 situated at Khatodara Industrial Area, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5th September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Darabshaw Kaikhusharu Adajania,
 Rustomji Hormusji Wadia,
 Zaltir Darabshaw Adajania; Trustees of K. C. Adjania Charitable trust; Adajania House, 803-B,
 Ambedkai Road, Dadat, Bombay-14.

(Transferor)

(2) Feb-tax Industrial Co-op. Service Society Ltd., 5-184, Haripura, Ruvala Tekra, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land bearing S. No. 36/1 paiki Plot Nos. 3, 4 & 5 and 37/1 (Part), situated at Khatodra Industrial Area which fall in Surat City T. P. Scheme No 6, Final Plot No. 59-C admeasuring 6288 sq. yds. (including 25' wide approach road) as described in the sale deed registered under registration No. 1488 in the month of September, 1977 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 15th May, 1978.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th May 1978

Ref. No. P. R. No. 586 Acq. 23-986/19-7/77-78.—Whereas. I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ward No. 7, Nondh No. 2625 situated at Vayada Sheri. Saiyadpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat on 1st September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- Shri Champaklal Jamnadas self and P. A. Holder of Shri Jamnadas Bhagwandas, Ravindra Park Society, Adajan Road, Surat.
 Shri Ratilal Jamnadas;
 - Shri Raufai Jamnadas;
 Shri Jayantilal Jamnadas 2 & 3 at 34, Samarpan Society, Rander Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Yunus Ahmed Gheewala; P. A. Holder of Gulam Mohmed Adamji Badat—Rampura, Chhada Ole, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land and building bearing Ward No. 7, Nondh No. 2625, situated at Vayada Sheri, Saiyedpura, Surat admeasuring 78-59-62 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 1712 in the month of September, 1977 or Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 15th May, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 15th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1305/78-79.—Whereas, I, N. S. CHOPRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2/67 situated at Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:--

(1) Shri Sat Pal Khanna S/o Shri Ishwar Dass Khanna R/o BF/15 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Ajmani alias Kamla Devi W/o Shri Subhash Chander R/o 2/67 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Kit Kat Dry Cleaner, 2/67 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government Built property No. 2/67 constructed on land measuring 184 sq. yds. situated at Ramesh Nagar, New Delhi, and bounded as under :-

North: Passage

South: Property No. 2/68 East: Property No. 2/66 West: Road.

N. S. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI-110001

New Delhi, the 15th May 1978

Ref. No. IAC-Acq.III/SR-II/Sept./1489(25) 77-78.--Whereas, I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

WZ-91/B situated at Village Tatarpur Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mohd. Hussain S/o Shri Noor Bux, R/o WZ-91/B, Village Tatarpur Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Shri Banwari Lal, R/o WZ-79, of Village Tatarpur Delhi State, Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. V. P. Plastic Co., WZ-91/B, Village Tatarpur Delhi State, Delhi.

[Person(9) in occupation of the property]

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. WZ-91/B, measuring 150 sq. yds. situated in the abadi of village Tatarpur Delhi State Delhi and bounded as under

North: Remaining portion of property No. WX-91/B.

of the Vendor. South: Blind Colony.

East: Park of D.D.A. Delhi. West: Road.

A. L. SUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th May 1978

Ref No IAC.Acq-III/CR-III/Sept/730/77-78.—Whereas, 1, A, L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1.-10 situated at Green Park Extension, New Delhi, plot of land measuring 167 sq. yds.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 28-9-1977

for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri V. S. Venkataraman S/o Shri V. Subramaniam Iyer, B-200. Nanakpura, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sterling Publishers (Pvt.) Ltd. BO-A-B/9, Safdarjang Enclave, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot bearing No. 10, Block No. 'L', measuring 167 sq. yds. situated in the residential colony known as Green Park Extension and the said plot is bounded as under :-

First: Plot No. L/11
West: Plot No. L/9
North: Dispensary Plot
South: Open

A. L. SUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mehanga Singh S/o Shri Dalip Singh R/o 2131, Prem Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parveen Gulshan W/o Shri Gulshan Lal Bhatia, R/o V-320, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. 4/14A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 15th May 1978

Ref. No. IAC-Acq-III/SR-II/Sept/1493(29)/77-78.-Whereas, I. A. L. SUD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

V-320, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. V-320, measuring 200 sq. yds. Double storey Built, situated in Rajouri Garden New Delhi and bounded as under :-North : Road
South : House on plot No. V/299

East: House on plot No. V/321 West: House on plot No. V/319

A. L. SUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1978